हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 248 बेमेतरा, रविवार 03 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

समाचार सार

2 दिन से सोने में गिरावट लेकिन चांदी चमक उठी

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 10 ग्राम 24-कैरेट सोने की कीमत आज 10 रुपए कम हो गई है, जबकि 22-कैरेट सोना भी 10 रुपए सस्ता हो गया है. लगातार दो दिनों में 10 ग्राम 24-कैरेट सोने की कीमत में 2,360 रुपए की गिरावट आई है. 22-कैरेट सोने की कीमत में 2,160 रुपए की. जहां तक चांदी की बात है, दो दिनों की गिरावट के बाद दिल्ली में इसकी कीमत लगातार दूसरे दिन बढ़ी है. इन दो दिनों में एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 5,100 रुपए की बढ़ोतरी हुई है. चांदी के मामले में, दो दिनों की मंदी के बाद आज लगातार दूसरे दिन कीमतों में बढ़ोतरी हुई है. पिछले दो दिनों में 10,000 रुपए की गिरावट के बाद अब अगले दो दिनों में एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 5,100 रुपए की तेजी आई है. विशेष रूप से आज, दिल्ली में कीमत में 100 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है. चांदी अभी 2,55,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रही है. अन्य प्रमुख महानगरों मुंबई और कोलकाता में भी चांदी इसी कीमत पर बिक रही है।

जिंदल स्टील के रेवेन्यू में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नईदिल्ली। मेटल सेक्टर की एक जानी-मानी कंपनी, जिंदल स्टील ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में अपने मुनाफे और रेवेन्यू में बढ़ोतरी दर्ज की. मार्च में खत्म हुई तिमाही में जिंदल स्टील मुनाफे में रही. उसने 1,045 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया. यह पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज 339 करोड़ रुपए के नेट घाटे के मुकाबले एक बड़ी वापसी है. वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में, कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 23त्न बढ़कर 16,218 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 13,183 करोड़ रुपए था. जिंदल स्टील लिमिटेड के शेयर 1,300 रुपए के स्तर पर बंद हुए. कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.25 लाख करोड़ रुपए है।

भारत में डिजिटल सिस्टम से छोटे उद्यमों की कमाई बढ़ी

नईदिल्ली। भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल का असर अब साफ तौर पर दिख रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक नई स्टडी के मुताबिक, जिन राज्यों ने प्रशासनिक कामकाज को तेजी से ऑनलाइन किया, वहां छोटे कारोबारों की उत्पादकता बढ़ी है और अलग-अलग कंपनियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।यह अध्ययन 2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित है। इसमें अलग-अलग राज्यों के कारोबारों की तुलना की गई, खासकर उन राज्यों की जिन्होंने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कामों को डिजिटल किया।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने इसकी पुष्टि की है

कांकेर में आईईडी निष्क्रिय करते समय विस्फोट से चार जवान बलिदान

कांकेर । छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कांकेर और नारायणपुर जिले की सरहद पर शनिवार को डी-माइनिंग और एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन के दौरान आईईडी विस्फोट हो गया। इसमें सुरक्षा बल के चार जवानों का बलिदान हो गया । बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ने इसकी पुष्टि की है।

इस अभियान के दौरान दुर्घटनावश आईईडी विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से कांकेर डीआरजी के 4 जवान घायल हो गए। इनमें इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा, कॉन्स्टेबल संजय गढपाले के अत्यधिक ज़ख्मी होने से वे घटना स्थल पर ही बलिदान हो गए जबकि गंभीर रूप से घायल बस्तर फाइटर का जवान परमानंद कोर्राम को बेहतर उपचार हेतु रायपुर ले जाया गया था, जहां उपचार दौरान उनका भी निधन हो गया है।

इस संबंध में बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों द्वारा दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर, माओवादियों द्वारा पूर्व में छिपाकर

रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षाबलों द्वारा बरामद कर निष्क्रिय किए जा रहे हैं। लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोटित हो गया, जिसके कारण चार पुलिस बल के जवान बलिदान हो गये हैं।

चार जवानों के शहादत पर मुख्यमंत्री ने जताया गहरा दुख, बोले - उनका साहस, समर्पण और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में डीमाइनिंग अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में डीआरजी के चार वीर जवानों के

शहीद होने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोकसंतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। प्रदेश सरकार शहीद परिवारों और घायल जवान के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं दृढ़ता से खड़ी है। उनका साहस, समर्पण और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

15 बूथों पर दोबारा वोटिंग में भी बंपर मतदान

डायमंड हार्बर सीट मगराहट पश्चिम से आगे

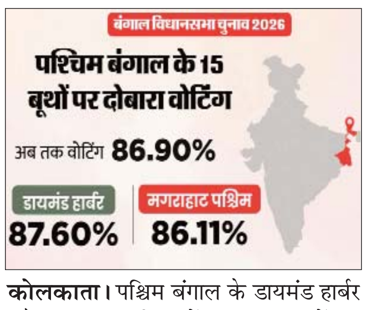

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर और मगरहाट पश्चिम में आज 15 बूथों पर दोबारा मतदान हो रहा है। चुनाव आयोग ने वोट में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद यह फैसला लिया। मतदान सुबह सात बजे से शुरू हो चुका है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को मतगणना एजेंटों के साथ बैठक में कहा कि मतगणना शुरू होने से दो दिन पहले पार्टी 294 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक सीटें जीतेगी। दोनों नेताओं ने 291 विधानसभा सीटों के मतगणना एजेंटों के साथ वर्चुअल बैठक की और उन्हें यह भी निर्देश दिया कि वे मतगणना केंद्रों की मौजूदा स्थिति के बारे में नेतृत्व को नियमित रूप से जानकारी देते रहें और मतगणना पूरी होने तक वहीं मौजूद रहें। अनीत थापा के नेतृत्व वाली भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) ने दार्जिलिंग पहाड़ियों की शेष तीन सीटों पर चुनाव लड़ा। विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को हुए थे, और मतगणना 4 मई को होनी है। पश्चिम बंगाल में पुन: मतदान के तहत शाम पांच बजे तक, मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लगभग 86.11% और डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र में 87.60% मतदान दर्ज किया गया।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि कालीघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी गौतम दास को एक विवादित व्हाट्सएप स्टेटस के चलते निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि गौतम दास की जगह चमेली मुखोपाध्याय को नियुक्त किया गया है। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मतगणना से दो दिन पहले हुआ है। यह कार्रवाई टीएमसी द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दास ने सेवा नियमों का उल्लंघन करते हुए सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की थी।

सत्ताधारी पार्टी ने चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग की थी, जब उसके प्रदेश उपाध्यक्ष जॉयप्रकाश मजूमदार ने फेसबुक पर अधिकारी की वर्दी में हथियार पकड़े हुए एक तस्वीर साझा की थी। तस्वीर के साथ कथित तौर पर कैप्शन था, नई जिम्मेदारी के लिए तैयार।% इस पोस्ट को अनुचित बताते हुए मजूमदार ने कहा, यह तस्वीर न केवल असहज करने वाली है, बल्कि कानून की दृष्टि से भी आपत्तिजनक है। इसमें साफ तौर पर दिख रहा है कि वह किसी पर आधुनिक हथियार ताने हुए हैं।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा : बोलीं- 200 से ज्यादा सीटें जीतेगी टीएमसी

काउंटिंग एजेंटों को दिया डटे रहने का निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से ठीक दो दिन पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा किया है। शनिवार को ममता बनर्जी और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के काउंटिंग एजेंटों के साथ एक अहम वर्चुअल बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से तृणमूल कांग्रेस 200 से अधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है।

मैदान न छोड़ें काउंटिंग एजेंट- सीएम ममता

ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ने मतगणना केंद्र पर तैनात होने वाले काउंटिंग एजेंटों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन सभी एजेंट केंद्रों पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज कराएं। साथ ही, वे मतगणना की पल-पल की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देते रहें। ममता बनर्जी ने कहा कि जब तक मतगणना की पूरी प्रक्रिया समाप्त नहीं हो जाती, तब तक कोई भी एजेंट केंद्र छोड़कर बाहर न आए।

मुख्यमंत्री ने हालिया एग्जिट पोल्स को पूरी तरह से नकार दिया। कई एग्जिट पोल्स में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है।

इस पर ममता ने कहा कि ये सब शेयर बाजार को प्रभावित करने की साजिश है। उन्होंने इसे 2021 और 2024 के चुनाव जैसा ही प्रोपेगेंडा बताया। सीएम दीदी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं पर बर्बरता की है। उन्होंने वादा किया कि संकट के समय पार्टी के साथ खड़े रहने वाले कार्यकर्ताओं को भविष्य में पुरस्कृत किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने इस चुनाव में 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बाकी की तीन सीटों पर चुनाव सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा ने लड़ी हैं। बनर्जी को भरोसा है कि उनका यह गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगा।

दक्षिण 24 परगना के मगराहाट पश्चिम और डायमंड हार्बर जैसे क्षेत्रों में पुनर्मतदान के बीच ममता बनर्जी का यह आत्मविश्वास पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भर रहा है।

दिल्ली में जज ने की खुदकुशी : कड़कड़डूमा कोर्ट में थे कार्यरत, सफदरगंज इलाके में एक घर में मिली लाश

नई दिल्ली। दिल्ली में एक जज ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना दिल्ली के सफदरजंग इलाके में हुई। खुदकुशी करने वाले जज अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा कोर्ट में कार्यरत थे। उनका आवास ग्रीन पार्क में था। पुलिस ने बताया कि सफदरजंग इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक की पहचान अमन कुमार शर्मा के रूप में हुई है।

फिलहाल, फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटना से जुड़ी प्रासंगिक परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, अमन शर्मा 19 जून, 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा में शामिल हुए थे। उन्होंने सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे से 2018 में बीए एलएलबी पूरा किया था। अपने कार्यकाल में उन्होंने आपराधिक और सिविल मामलों को संभाला।

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले पूर्ण हों सुशासन तिहार की तैयारियां : शर्मा

जगदलपुर। उप मुख्यमंत्री एवं बस्तर जिला प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुशासन तिहार के आयोजन की तैयारियों के लिए बस्तर जिला प्रशासन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बालोद, बस्तर, दुर्ग तथा मानपुर-मोहला जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं जिला पंचायत सीईओ से विस्तृत चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पहले सुशासन तिहार की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं।

ट्रंप का बड़ा एलान- यूरोपीय संघ से आने वाले वाहनों पर आयात शुल्क बढ़ाकर करेंगे 25 प्रतिशत

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे अगले हफ्ते से यूरोपीय संघ (श्व) (ईयू) से आने वाली कारों और ट्रकों पर आयात शुल्क (टैरिफ) को पहले तय 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर देंगे। ट्रंप का आरोप है कि यूरोपीय संघ वाशिंगटन के साथ हुए व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाने का फैसला क्यों लिया?

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया और व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान अपने फैसले के पीछे ये तर्क दिए। समझौते का उल्लंघन- ट्रंप के अनुसार, यूरोपीय संघ पूरी तरह से सहमत व्यापार सौदे का पालन नहीं कर रहा है। अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा- उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि ये कंपनियां अमेरिका स्थित

संयंत्रों में कारों और ट्रकों का उत्पादन करती हैं, तो उन पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। फैक्ट्रियों का स्थानांतरण- उच्च टैरिफ का मकसद यूरोपीय कार निर्माताओं को अपनी उत्पादन इकाइयों को तेजी से अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर करना है। यूरोपीय आयोग ने ट्रंप के दावों को तुरंत खारिज कर दिया है। यूरोपीय नेताओं और विशेषज्ञों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है- आरोपों का खंडन-ब्रुसेल्स ने कहा कि वह पिछले साल हुए समझौते का पालन कर रहा है और अगर अमेरिका शर्तों का उल्लंघन करता है, तो वे अपने हितों की रक्षा के लिए सभी विकल्प खुले रखेंगे। गौरतलब है कि बेल्जियम और यूरोपीय संघ की राजधानी ब्रुसेल्स है। कड़ी आलोचना: यूरोपीय संसद की अंतरराष्ट्रीय व्यापार समिति के अध्यक्ष बर्नड लैंग ने इसे अस्वीकार्य व्यवहार बताते हुए अमेरिका को एक अविश्वसनीय साझेदार करार दिया।

जवाबी कार्रवाई की मांग- कुछ अर्थशास्त्रियों ने जर्मनी और यूरोपीय संघ से मजबूत इच्छाशक्ति दिखाने और अमेरिकी तकनीकी कंपनियों पर टैक्स लगाने या जवाबी टैरिफ लगाने का आग्रह किया है।

सरकार ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के आधार पर सलाह जारी की

मई की भीषण गर्मी को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं : डॉ. जितेंद्र सिंह

नईदिल्ली (ए)। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज आम जनता को आश्वस्त किया कि मई महीने के दौरान अनुमानित या अपेक्षित गर्मी की स्थिति को लेकर घबराने की कोई बात नहीं है और मौसम पूर्वानुमान को सही ढंग से समझकर और दिन-प्रतिदिन की सरल सावधानियों का पालन करके किसी भी अनावश्यक प्रतिक्रिया से बचा जा सकता है।

अपने कार्यालय में मीडिया को जानकारी देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यद्यपि कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक तापमान और लू की स्थिति देखी जा सकती है लेकिन यह स्थिति पूरे देश में एक समान नहीं है और समय पर तैयारी और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली सलाहों का पालन करके इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। आईएमडी द्वारा जारी

नवीनतम मासिक पूर्वानुमान और आगे की अवधि के पूर्वानुमान का उल्लेख करते हुए मंत्री जी ने कहा कि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत, उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है जबकि देश के बड़े हिस्से में इस महीने तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है। कई क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्वानुमान के अनुसार हिमालय की तलहटी, ओडिशा सहित पूर्वी तट के कुछ हिस्सों, तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तमिलनाडु, साथ ही गुजरात और महाराष्ट्र में लू चलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों में सामान्य से लगभग 2-4 दिन अधिक लू चलने की आशंका है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बढ़े पूर्वानुमान के अनुसार बताया कि मई के दूसरे (8-14 मई) और चौथे (22-28 मई) सप्ताह में तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है, जिससे उत्तर-पश्चिम, मध्य और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ पूर्वी तट में लू चल सकती है। पहले और तीसरे सप्ताह (1-7 मई और 15-21 मई) के दौरान, पश्चिमी विक्षोभ और गरज के साथ होने वाली बारिश और बादलों के कारण देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। मंत्री जी ने कहा कि कुछ समय के दौरान रात के तापमान में वृद्धि से उमस बढ़ सकती है, खासकर शहरी और तटीय क्षेत्रों में। पूर्वी तट, गुजरात और महाराष्ट्र में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। उन्होंने वैश्विक जलवायु परिस्थितियों पर कहा कि वर्तमान में ईएनएसओ-तटस्थ स्थितियां बनी हुई हैं और दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति होने की संभावना है। मंत्री जी ने कहा कि सरकार गर्मी से उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्होंने पेयजल की उपलब्धता, सुचारू शीतलन व्यवस्था और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य और जिला स्तर पर समन्वित प्रयासों पर जोर दिया।

यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट्स प्लेटफॉर्म बनकर उभरा

मुंबई। लॉन्च होने के एक दशक बाद यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) न केवल दुनिया के सबसे बड़े रियल-टाइम पेमेंट्स प्लेटफॉर्म के तौर पर उभरा है, बल्कि यह भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का रीढ़ बन गया है।

यूपीआई दुनिया के लगभग आधे इंस्टेंट पेमेंट ट्रांज़ैक्शन को पावर देता है, और भारत में पेमेंट करने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। 11 अप्रैल 2016 को लॉन्च यूपीआई के विकास के पीछे के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। अपने पहले महीने में सिर्फ़ 373 ट्रांज़ैक्शन से बढ़कर, इस प्लेटफॉर्म ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में लगभग 24,162 करोड़ ट्रांज़ैक्शन प्रोसेस किए, जो वॉल्यूम में 12,000 गुना की असाधारण वृद्धि को दर्शाता है। वैल्यू के मामले में यूपीआई ट्रांज़ैक्शन फाइनेंशियल ईयर 2016-17 में 0.07

UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

लाख करोड़ रुपये से बढ़कर फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गए, जो 4,000 गुना से भी ज़्यादा की छलांग है। दैनिक उपयोग में भी ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है. अब यूपीआई हर दिन लगभग 66 करोड़ ट्रांज़ैक्शन संभालता है, जिसका दैनिक मूल्य लगभग 0.86 लाख करोड़ रुपये है। मासिक वॉल्यूम अगस्त 2025 में पहली बार 2,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया, और मार्च 2026 में 2,264 करोड़ ट्रांज़ैक्शन के शिखर पर पहुँच गया। जो अब तक का सबसे ऊँचा रिकॉर्ड है।

आज यूपीआई भारत के डिजिटल पेमेंट वॉल्यूम का 85त्न हिस्सा है. सड़क किनारे के विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्यमों और सरकारी सेवाओं तक रोजमर्रा की ज़िंदगी में इसके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। इसकी सफलता का आधार इसकी सरलता और इंटरऑपरेबिलिटी है। लॉन्च के समय सिर्फ़ 21 बैंकों के मुकाबले अब 703 से ज़्यादा बैंकों के जुड़ने के साथ, यूपीआई ने पब्लिक, प्राइवेट, कोऑपरेटिव और पेमेंट बैंकों में बेजोड़ संस्थागत भागीदारी हासिल की है जिससे दूरदराज के इलाकों में भी पहुँच सुनिश्चित होती है। माइक्रो-पेमेंट्स इस इकोसिस्टम की रीढ़ बने हुए हैं, 86त्न मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन 500 रुपये से कम के होते हैं, जो रोज़मर्रा के कॉमर्स चाय की दुकानों से लेकर टैक्सियों तक को डिजिटाइज़ करने में यूपीआई की भूमिका को रेखांकित करता है।

बैंकिंग सिस्टम पर बड़ा सवाल: फर्जी हस्ताक्षर कर 13 लाख की एफडी, ICICI बैंक चांपा कटघरे में

चांपा थाने में दर्ज हुई शिकायत,बैंक में कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़िता पहुंची चांपा थाना

चांपा/मूक पत्रिका

आईसीआईसीआई बैंक की चांपा शाखा में सामने आए एक गंभीर मामले ने बैंकिंग व्यवस्था और ग्राहक सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। खाताधारक मंजू रामचन्द्र रावत ने आरोप लगाया है कि उनकी जानकारी, सहमति और लिखित अनुमति के बिना, फर्जी हस्ताक्षर कर उनके खाते से लगभग 13 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) कर दी गई।पीड़िता के अनुसार उनका खाता क्रमांक 177401502461 है और इस एफडी की उन्हें कोई सूचना तक नहीं दी गई।

मामले का पर्दाफाश तब हुआ जब नागपुर स्थित बैंक मुख्यालय से हस्ताक्षर मेल न होने को लेकर फोन आया। इसके बाद खुलासा हुआ कि उनके नाम से बिना सहमति बैंकिंग लेनदेन किया गया है।पीड़िता का आरोप है कि मामला उजागर होने के बाद बैंक के मैनेजर नितेश दुबे और कर्मचारी मंजित रोशन प्रधान उनके कार्यस्थल तक पहुंचे और गलती स्वीकार करते हुए प्रकरण को आपसी समझौते से दबाने का प्रयास किया। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने 27 अप्रैल को बैंक में लिखित शिकायत दर्ज कराई, लेकिन चार दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे बैंक प्रबंधन की भूमिका पर संदेह और गहरा गया।कार्रवाई न होने से आहत होकर पीड़िता ने आज चांपा थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि फर्जी हस्ताक्षर करना सीधी-सीधी धोखाधड़ी है। आज बिना अनुमति एफडी कर दी गई, तो कल इसी तरह खाते से पैसे निकाल लेने की भी पूरी आशंका है।

पीड़िता ने दोषी कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की मांग की है।मामले पर चांपा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सिर्फ एक खाताधारक तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या बैंकिंग संस्थानों में ग्राहकों की रकम और हस्ताक्षर वास्तव में सुरक्षित हैं या नहीं।

सुशासन तिहार अंतर्गत होगा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार शासकीय कामकाज में पारदर्शिता, शासकीय योजनाओं और कार्य मों की प्रभावी ि यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु सुशासन तिहार 01 मई से 10 जून 2026 के मध्य जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें जिले के नागरिक अपनी मांग, सुझाव और शिकायत प्रशासन को दे सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में शिविर- ग्रामीण क्षेत्र में शिविर अपरान्ह 3 से 6 बजे किया जाएगा।सारंगढ़ ब्लॉक में 5 मई को ग्राम उलखर, 13 मई को फर्सवानी, 18 मई को हरदी, 21 मई को उच्चभीठी, 28 मई को केडार, 4 जून को कपरतुंगा और 10 जून को गोडम में आयोजित किया जाएगा।बिलाईगढ़ ब्लॉक में सुशासन तिहार शिविर 4 मई को ग्राम धोबनी, 8 मई को बलौदी, 15 मई को गदहाभाटा, 22 मई को धाराशिव, 29 मई को खुरदरहा, 5 जून को मडकड़ी में आयोजित किया जाएगा। बरमकेला ब्लाक के ग्राम बड़े नवापारा में 6 मई को, हिर्री में 14 मई, कांदुर पाली में 20 मई को, भीखमपुरा में 27 मई को, झाल में 3 जून को शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शहरी क्षेत्र में शिविर- नगरीय निकायों में सुशासन तिहार शिविर नगर पालिका परिषद सारंगढ़ में 13, 19 और 22 मई, नगर पंचायत बिलाईगढ़ में 6,7,8 मई, सरसीवा में 7 मई, पवनी में 7 और 14 मई, सरिया में 14 और 20 मई, नगर पंचायत भटगांव में 5 मई, बरमकेला में 6,7 और 8 मई को आयोजित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026 महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : रत्नावली कौशल

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ÷छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026÷ को मंजूरी दिए जाने का स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि घर-घर पाइपलाइन के माध्यम से पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पहुंचाने की यह नीति महिलाओं के जीवन को सरल बनाने के साथ ÷धुआं मुक्त रसोई÷ के सपने को साकार करेगी। रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रधानमंत्री Narendra Modi ने उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाई थी और अब राज्य सरकार इस पहल को अगले स्तर तक ले जा रही है।उन्होंने बताया कि पीएनजी एलपीजी सिलेंडर की तुलना में सस्ती, सुरक्षित और 24 घंटे उपलब्ध रहने वाली सुविधा है। इससे महिलाओं को बार-बार सिलेंडर बुक कराने, एजेंसी के चक्कर लगाने और सिलेंडर खत्म होने की चिंता से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएनजी हवा से हल्की होती है, इसलिए गैस रिसाव की स्थिति में भी दुर्घटना की संभावना कम रहती है, जिससे रसोई और अधिक सुरक्षित बनेगी।रत्नावली कौशल ने कहा कि इस नीति का सबसे अधिक लाभ शहरी गरीब, मध्यमवर्गीय तथा अनुसूचित जाति-जनजाति परिवारों को मिलेगा। महिलाओं का समय बचेगा, जिसे वे बच्चों की पढ़ाई, स्वरोजगार और अन्य रचनात्मक कार्यों में लगा सकेंगी। उन्होंने कहा कि गैस पाइपलाइन अधोसंरचना के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। गैस फिटिंग, मेंटेनेंस और मीटर रीडिंग जैसे कार्यों में विशेषकर एससी-एसटी वर्ग के युवाओं को लाभ मिलेगा। वहीं छोटे होटल, डेयरी, ठेला व्यवसाय और स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित खाद्य इकाइयों की लागत भी कम होगी।रत्नावली कौशल ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कैबिनेट निर्णयों की पारदर्शी जानकारी जनता तक पहुंचाई। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार लगातार महिला हितैषी फैसले ले रही है और यह नीति ÷विकसित भारत÷ तथा ÷विकसित छत्तीसगढ़÷ के संकल्प को मजबूत करेगी।उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व की सरकारों ने महिला सुविधाओं के नाम पर केवल राजनीति की, जबकि भाजपा सरकार ने उज्ज्वला योजना से लेकर पीएनजी तक महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा इस योजना की जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचाकर हर बहन को इसका लाभ दिलाने का प्रयास करेगा।

गौ सुरक्षा को लेकर किया जा रहे आंदोलन को आशीष छाबड़ा ने दिया समर्थन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बेमेतरा जनपद सदस्य दीपक दिनकर द्वारा गौ माता की सुरक्षा एवं उनके रखरखाव तथा खानपान के लिए व्यवस्था बनाए जाने को लेकर किए जा रहे धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से समर्थन व्यक्त किया और इस आंदोलन में कंधा से कंधा मिलाकर साथ देने का भरोसा दिलाया है इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि हमारे सनातन धर्म में गौ माता सदा से पूज्यनीय रही है भाजपा वाले हिंदुत्व की आड़ में हमेशा से लोगों को मूर्ख बनाने का काम करते रहे हैं गौ माता की सुरक्षा एवं उसके खान-पान की व्यवस्था पूर्व में कांग्रेस सरकार के द्वारा सभी गांव में गौठान प्रारंभ करके और गोबर खरीदी के माध्यम से गांय पालको को समृद्ध करने का काम करती रही किंतु जैसे ही भाजपा शासन में आई है आज गौ माता की स्थिति बहुत ही दयनीय हो चुकी है गोबर खरीदी बंद कर दी गई है जिससे गौपालक अपनी गायों को खुला छोड़ दिए हैं आज उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है गौ वंश की गाय एवं बछड़े किसानों की खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे हैं और उससे बचाने के लिए गांव वाले उन्हें खेतों से निकाल रहे हैं विगत वर्ष ऐसा ही कुछ बेमेतरा विकासखंड के झिरिया ग्राम के पास हजारों गायों को बिना भोजन पानी के बांधकर रख दिया गया था भूखे प्यासे हजारों गायों की मौत हो गई थी तब प्रशासन के द्वारा गायों की रक्षा हेतु पर्याप्त व्यवस्था करने की बात कही गई थी किंतु आज साल भर होने जा रहा है कोई व्यवस्था नहीं की गई है, और ना ही कभी बीजेपी का प्रतिनिधि कभी गौवंश की शुध लेने गए आज भी गए सड़कों पर दुर्घटनाग्रस्त होकर मृत्यु देखने को मिल रही है भाजपा सरकार के कान में जू नहीं रेग रही है भाजपा के जन् प्रतिनिधि केवल हिंदुत्व के नाम पर वोट लेना जानते हैं वास्तविक हिंदुत्व धर्म के पालन से ने कोई लेना-देना नहीं है इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा प्रांजल तिवारी कविता साहू मिथिलेश वर्मा हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड राजू साहू रीता पांडे शकुंतला साहू रूबी सलूजा योगिता साहू हेमिन यादव दीपक दिनकर शुभम गंधर्व सनत धर दिवान सीताराम यादव टोकेश्वर साहू छोटे लाल साहू ऋषि वर्मा नारायण छाबड़ा रोमन वर्मा अनिल दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

100 बिस्तर सिविल अस्पताल सरिया का 3 मई को होगा भूमिपूजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ 2 मई 2026/ 100 बिस्तर सिविल अस्पताल सरिया का 3 मई को भूमिपूजन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर सरिया में शाम 4 बजे प्रारंभ होगा। इसमें मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कार्यक्रम के अध्यक्ष वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि प्रभारी मंत्री जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ टंकराम वर्मा, रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, सांसद राज्यसभा देवेंद्र प्रताप सिंह, नगर पंचायत सरिया अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अरुण शराप, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, उपाध्यक्ष अजय नायक, सभापति सरिता नायक, जनपद पंचायत बरमकेला अध्यक्ष डॉ विद्या चौहान होंगे।

बीजापुर ने रचा इतिहासः बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में अव्वल, 10वीं-12वीं में शानदार प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष घासीराम नाग बोले—सरकार की नीति, शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन का नतीजा

बीजापुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। 10वीं कक्षा में 96.06 प्रतिशत और 12वीं में 95.03 प्रतिशत परिणाम ने जिले को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है।

जिले के विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा 10वीं में नवीन कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र अतुल कुमार मड्डी ने 93.50 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं 12वीं में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, बीजापुर के छात्र अंकित मौर्य ने 90.20 प्रतिशत अंक के साथ टॉप किया।आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 4117 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें से 2805 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। 10वीं में 2416 में से 1652 और 12वीं में 1701 में से 1153 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी हासिल कर जिले का मान बढ़ाया।इस उपलब्धि पर भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह सफलता सरकार की दूरदर्शी सोच, शिक्षा व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग, प्रशासन की सक्रिय भूमिका और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बस्तर जिले में राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में 2300 से अधिक परीक्षार्थी हुए शामिल

जगदलपुर/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन शनिवार 02 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले भर में इस परीक्षा के लिए कुल 9 केंद्र बनाए गए थे, जहाँ सुबह से ही विद्यार्थियों का उत्साह देखने को मिला। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बीआर बघेल द्वारा दी गई जानकारी अनुसार इस छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए कुल 2550 विद्यार्थी पंजीकृत थे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई, जिसमें प्रथम पाली में 2317 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 233 छात्र अनुपस्थित पाए गए। वहीं द्वितीय पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 2310 रही और 240 छात्र परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

राखी के लिए बदली जिंदगीः सांसद महेश कश्यप ने दी इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर

अब बिना सहारे चल-फिर सकेगी बेंगलुर की दिव्यांग बेटी, घर-परिवार में खुशी का माहौल

जगदलपुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बस्तर के एक छोटे से गांव बेंगलुर की रहने वाली राखी के लिए यह दिन खास बन गया, जब सांसद महेश कश्यप ने उसे इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भेंट की। लंबे समय से चलने-फिरने में असमर्थ राखी अब अपने काम खुद कर पाएगी और कहीं आने-जाने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहेगी।

राखी की परेशानी की जानकारी जैसे ही सांसद तक पहुंची, उन्होंने तुरंत मदद का फैसला लिया। उन्होंने खुद राखी को व्हीलचेयर सौंपी और उसे चलाने का तरीका भी समझाया।

सांसद महेश कश्यप ने इस मौके पर कहा कि दिव्यांगजन समाज का हिस्सा हैं और उन्हें आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। उनका कहना था कि कोशिश यही है कि बस्तर के दूर-दराज इलाकों में रहने वाला कोई भी दिव्यांग खुद को अकेला महसूस न करे।यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस तरह मदद की हो। इससे पहले भी वे कई जरूरतमंद दिव्यांगों को स्कूटी और व्हीलचेयर जैसे उपकरण दे चुके हैं, ताकि उनका जीवन थोड़ा आसान हो सके। व्हीलचेयर मिलने के बाद राखी काफी भावुक नजर आई। उसने कहा कि अब वह अपने काम खुद कर सकेगी और बिना किसी की मदद के बाहर जा पाएगी।

परिवार के लोगों ने भी सांसद का आभार जताया। इस दौरान गांव के सरपंच, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। गांव में इस पहल को लेकर खुशी का माहौल देखा गया।

'सुशासन तिहार' भाजपा सरकार का दिखावा, जनता और प्रशासन दोनों परेशान : आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने भाजपा सरकार द्वारा आयोजित ÷सुशासन तिहार÷ को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम केवल दिखावे और प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है, जिसका वास्तविक सुशासन से कोई संबंध नहीं है।आशीष छाबड़ा ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच दोपहर के समय आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, जिससे उन्हें शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके मूल कार्यों से हटाकर इन आयोजनों में लगाया जा रहा है, जिसके कारण शासकीय कार्यालयों का नियमित कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई विभागों में अधिकारी-कर्मचारी उपलब्ध नहीं रहने से प्रमाण पत्र, राजस्व प्रकरण, पेंशन, राशन, स्वास्थ्य सेवाएं सहित अन्य जरूरी कार्य लंबित हो रहे हैं और आम जनता को कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।पूर्व विधायक ने सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार यह स्पष्ट करे कि पूर्व में आयोजित ÷सुशासन तिहार÷ में कितने आवेदन प्राप्त हुए थे और उनमें से कितनों का वास्तविक निराकरण किया गया। उन्होंने कहा कि अब तक इन आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार केवल प्रचार पर ध्यान दे रही है, जबकि जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है।आशीष छाबड़ा ने यह भी कहा कि ÷सुशासन तिहार÷ के नाम पर प्रशासनिक तंत्र पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है और शासन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में सुशासन स्थापित करना चाहती है तो उसे दिखावटी आयोजनों के बजाय किसानों, युवाओं और आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।अंत में उन्होंने भाजपा सरकार से मांग की कि इस प्रकार के दिखावटी आयोजनों को बंद कर जनहित से जुड़े वास्तविक कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके और प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।

माटी के लिए वीर सपूतों का अमर बलिदानः कांकेर-नारायणपुर सीमा पर डी-माइनिंग के दौरान IED विस्फोट, डीआरजी के 4 जवानों ने दी शहादत, सर्च ऑपरेशन के बीच IED ब्लास्ट

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / ः-कांकेर 02 मई 2026 जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कांकेर-नारायणपुर सीमा पर शनिवार को डी-माइनिंग अभियान के दौरान हुए ढ्ढश्वष्ठ विस्फोट में ष्ठक्रत्र के 4 जवान शहीद हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब सुरक्षा बल सर्च ऑपरेशन के तहत नक्सलियों द्वारा लगाए गए विस्फोटकों को निष्क्रिय करने में जुटे थे। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के अनुसार आज दिनांक 02.05.2026 को थाना छोटेबेठिया अंतर्गत मार्काबेडा, कोरोसकोडो, आदनार के सरहदी जंगलों के सीमा क्षेत्र में डी-माइनिंग / एरिया डॉमिनेशन / सर्च ऑपरेशन हेतु टीम रवाना हुई थी। घटनास्थल निरीक्षण तथा अभियान में शामिल सुरक्षा बल से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि माओवादी द्वारा पूर्व में डंप किए गई सामग्री को बरामद करने के लिए की जा रही सर्च अभियान के दौरान पहले डंप में कंप्यूटर / मॉनिटर / प्रिंटर आदि सामग्री बरामद हुआ। तत्पश्चात उसके समीप एक और अन्य डंप में माओवादी द्वारा पूर्व में डंप किए गए 15-15 किलो के 5 बोरी पटाखा पाउडर (गनपॉवडर-Potassium Nitrate + Barium Nitrate) को बरामद किया गया एवं क्चष्ठस् टीम के सहायता से टीम प्रभारी एवं अन्य सदस्य द्वारा डंप से बाहर निकाल के सुरक्षित तरीके से नष्टीकरण करने की तैयारी की जा रही

इस दौरान संभवतः अधिक तापमान एवं रासायनिक रिएक्शन के कारणवश पटाखा पाउडर में विस्फोट हुआ जिस कारणवश अत्यधिक जलने की चोटों तथा विस्फोट से संबंधित शॉक के कारण घटना स्थल पर तीन जवान विस्फोट की चपेट में आकर इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी (ग्राम-चिहका, पो.-भैरमगढ़, जिला-बीजापुर), आरक्षक कृष्णा कोमरा (ग्राम/पो./थाना-लोहत्तर, जिला-कांकेर), तथा बस्तर फाइटर आरक्षक संजय गढ़पाले (ग्राम-हराडूला, तहसील-चारामा, जिला-कांकेर) मौके पर ही शहीद हो गए। वहीं गंभीर रूप से घायल बस्तर फाइटर आरक्षक परमानंद कोर्राम (ग्राम बरेठिन बाहरा पो0 भनुसली तह0 नरहरपुर जिला-कांकेर) को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि पिछले कुछ समय से आत्मसमर्पित माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर क्षेत्र में छिपाए गए ढ्ढश्वष्ठ को लगातार बरामद कर निष्क्रिय किया जा रहा था।

इसी अभियान के दौरान यह दुखद घटना हुई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए पुलिस विभाग और प्रशासन ने उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया है।

रायगढ़ प्रेस क्लब को मिली नई पहचान, आज होगा भूमि पूजन वित्त मंत्री ओपी चौधरी प्रेस क्लब भवन निर्माण का विधिवत भूमि पूजन करेंगे

रायगढ़/मूक पत्रिका

वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और निरंतर प्रयासों के बाद रायगढ़ के पत्रकारों को आखिरकार अपनी पहचान का स्थायी ठिकाना मिलने जा रहा है,शहर के पत्रकारिता जगत के लिए 2 मई का दिन ऐतिहासिक साबित होगा, जब नगर विधायक एवं प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी प्रेस क्लब भवन निर्माण का विधिवत भूमि पूजन करेंगे,इस उपलब्धि के पीछे प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों की लंबी मेहनत और एकजुटता रही है, प्रेस क्लब अध्यक्ष हेमंत थवाईत और सचिव नवीन शर्मा के नेतृत्व में टीम ने लगातार पहल, समन्वय और संघर्ष करते हुए इस लक्ष्य को हासिल किया,जैसे ही भूमि पूजन की तिथि घोषित हुई, पत्रकारों में उत्साह की लहर दौड़ गई है,और इसे एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है,प्रस्तावित प्रेस क्लब भवन केवल एक भवन नहीं होगा, बल्कि यह पत्रकारों के संवाद, विचार-विमर्श और सशक्त अभिव्यक्ति का केंद्र बनेगा।

इससे जिले की पत्रकारिता को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद है,इसके साथ ही पत्रकारों के लिए प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी को लेकर भी उम्मीदें बढ़ गई हैं, यदि यह योजना भी साकार होती है, तो यह पत्रकारों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी,इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रेस क्लब अध्यक्ष, सचिव और पूरी टीम को लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं, रायगढ़ की पत्रकारिता के इतिहास में यह पहल एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सही दवा-शुद्ध आहार अभियान के तहत पनीर, दही और दूध विक्रेताओं की सघन जांच

बिलासपुर। सही दवा-शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में 15 दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत आज बिलासपुर शहर के विभिन्न पनीर, दही एवं दूध विक्रेता प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने तेलीपारा स्थित जैन लस्सी से लस्सी का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया। साथ ही अन्य विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विक्रेताओं को दुकान एवं खाद्य सामग्री की साफ-सफाई बनाए रखने, हैंड ग्लव्स एवं हेड कवर पहनने, खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप खाद्य सामग्री विक्रय करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। टीम ने स्पष्ट किया कि नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और आमजन को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर की पहल यशोदा एआई' प्रशिक्षण से स्व सहायता समूह की महिलाओं को डिजिटल दक्षता की मिलेगी नई दिशा

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभाकक्ष में स्व सहायता समूह की महिलाओं (दीदियों) को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'यशोदा एआई' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं एडिशनल एसपी सुश्री रश्मित कौर चावला, आयोग के डिप्टी डायरेक्टर श्री रामअवतार सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने समूह की दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आयोग द्वारा अब तक 31 कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें हजारों स्व सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से लगातार आगे बढ़ रही हैं और अपने परिवार की जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। यह कार्यक्रम केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि सतत संवाद और महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम है। अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल युग में महिलाओं का तकनीक से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटलाइजेशन के माध्यम से महिलाएं अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं। 'यशोदा एआई' प्रशिक्षण के जरिए उन्हें उत्पादों की मार्केटिंग, टैगलाइन और डिजाइन तैयार करने सहित तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है, जिससे उनके व्यवसाय को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में समूह की दीदियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण के दौरान अपनी जिज्ञासाओं को भी रखा, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें डिजिटल माध्यमों के उपयोग की व्यावहारिक जानकारी मिली है, जो उनके कार्यों में सहायक होगी। कार्यशाला में प्रशिक्षकों द्वारा 'यशोदा एआई' का प्रशिक्षण बारीकी से प्रदान किया गया, जिससे प्रतिभागियों को विषय की गहन समझ मिल सकी। महिलाओं को डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करते हुए उन्हें तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा शी सर्व्स कार्यशाला

दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ डिफेंस सेवाओं में आगे बढ़े बेटियां रू महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर

■ डिफेंस व प्रशासनिक सेवाओं में बेटियों की भागीदारी बढ़ाने दिया गया मार्गदर्शन

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर के नेतृत्व में स्व. लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में शी सर्व्स कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल तथा एसएसपी श्री रजनेश सिंह, राष्ट्रीय महिला आयोग के डिप्टी डायरेक्टर श्री रामअवतार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य 16 से 23 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं को डिफेंस सर्विसेज एवं प्रशासनिक सेवाओं में करियर के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से बेटियों को समर्पित है और इसका शुभारंभ 22 दिसंबर 2025 को रांची (झारखंड) से किया गया था। देशभर में आयोजित इन कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं तक पहुंचकर उन्हें रक्षा सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी कई बेटियां जानकारी के अभाव में डिफेंस सेवाओं में पीछे रह जाती हैं, जबकि उनमें असीम क्षमता और देश सेवा का जज्बा होता है। ऐसे कार्यक्रम उन्हें सही दिशा देने का माध्यम बन रहे हैं। अध्यक्ष ने कहा कि भारत की बेटियां अनुशासन, सेवा भाव और मजबूत चरित्र के साथ देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात महिला

सैनिकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेटियां आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की सुरक्षा में योगदान दे रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को मिल रहे अवसरों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज महिलाएं फाइटर जेट उड़ान से लेकर विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने अवनी चतुर्वेदी का उदाहरण देते हुए छात्राओं को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ डिफेंस सेवाओं में आगे बढ़ें और देश सेवा में भागीदार बनें। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने बेटियों को डिफेंस एवं प्रशासनिक सेवाओं में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि भारत की संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज समय बदल चुका है और हर क्षेत्र में बेटियों के लिए अवसर उपलब्ध हैं। डिफेंस, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाएं केवल करियर नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम हैं। उन्होंने छात्राओं को मानसिक रूप से मजबूत बनने, लक्ष्य स्पष्ट रखने, नियमित अध्ययन करने और शारीरिक रूप से फिट रहने की सलाह दी। यदि युवा अपने भीतर की क्षमता को पहचानकर निरंतर प्रयास करें, तो वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वाणिज्य विभाग की की स्पेशल टीम की सतर्कता से यात्री का खोया बैग बरामद

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में यात्री सेवा एवं सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की तत्परता एवं मुस्तैदी से एक यात्री का खोया हुआ बैग सुरक्षित रूप से बरामद कर उसे वापस सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्री श्री उमेश राठौर किसी ट्रेन से बिलासपुर स्टेशन पहुंचे थे। उनके पास अधिक सामान होने के कारण वे प्लेटफॉर्म से बाहर निकलते समय गेट नंबर 1 से अपने वाहन की ओर गए और अन्य सामान वाहन में रख लिया, लेकिन उनका एक बैग अनजाने में स्टेशन परिसर में ही छूट गया। घर पहुंचने पर बैग के गुम होने का एहसास होने पर वे तत्काल स्टेशन वापस आए और वाणिज्य विभाग की स्पेशल सेल से संपर्क किया। सूचना प्राप्त होते ही

वाणिज्य विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए स्टेशन परिसर में सघन खोज अभियान चलाया। टीम के प्रयासों से उक्त बैग स्टेशन के रैंप के समीप सुरक्षित अवस्था में बरामद कर लिया गया। संभवतः किसी जागरूक व्यक्ति द्वारा बैग को सुरक्षित स्थान पर रख दिया गया था। बैग मिलने के पश्चात आवश्यक पुष्टि प्रक्रिया पूरी कर उसे यात्री श्री उमेश राठौर को सुपुर्द कर दिया गया। यात्री ने रेलवे प्रशासन एवं संबंधित टीम का आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने टीम के सदस्यों की तत्परता एवं सजगता की सराहना करते हुए कहा कि स्पेशल टीम आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए यात्रियों की हर संभव सहायता करने का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन का शुभारंभ किया......

डिजिटल भुगतान से अब आसानी से प्राप्त करें ठंडे पेय पदार्थ

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंडल के रायगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं 01 पर ठंडे पेय पदार्थों हेतु ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन का शुभारंभ किया गया है। यह पहल रेलवे की यात्री-केंद्रित एवं तकनीक-आधारित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन के माध्यम से अब यात्रियों को ठंडे पेय पदार्थ खरीदने के लिए स्टॉल पर जाने की आवश्यकता

नहीं होगी। यात्री स्वयं इस मशीन का उपयोग कर अपनी सुविधा अनुसार कोका-कोला ब्रांड के विभिन्न ठंडे पेय पदार्थ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। मशीन का उपयोग अत्यंत सरल एवं सुविधाजनक है। यात्री को सबसे पहले मशीन पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा, जिसके पश्चात स्क्रीन पर उपलब्ध विकल्पों के माध्यम से वे अपनी पसंद का पेय पदार्थ चयन कर सकते हैं। भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण होते ही संबंधित उत्पाद मशीन के नीचे स्थित डिस्पेंस बॉक्स से स्वतः प्राप्त हो जाता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे दैनिक एवं लंबी दूरी के यात्रियों को समान रूप से लाभ मिलेगा। इस पहल से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलने के साथ ही चिल्हर और ओवर चार्जिंग की समस्या भी दूर होगी

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर ने सुनी महिलाओं की समस्याएं.......

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर की उपस्थिति में आज जल संसाधन विभाग परिसर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, संपत्ति विवाद, साइबर अपराध, पारिवारिक विवाद तथा सामाजिक उत्पीड़न से जुड़े कुल 58 प्रकरण प्राप्त हुए। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राप्त प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों, पुलिस विभाग, नवा बिहान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, महिला थाना एवं सखी वन स्टॉप सेंटर को हस्तांतरित किया गया। साथ ही सभी प्रकरणों में की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तैयार कर राष्ट्रीय महिला आयोग को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए। श्रीमती रहाटकर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ शिकायतों का किया निवारण

■ मंडल के शहडोल स्टेशन के रेलवे उप मंडलीय चकित्सालय में कर्मचारी शिकायत निवारण एवं बहुद्देशीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

बिलासपुर। मंडल प्रशासन द्वारा रेलवे कर्मचारियों के हितों, उन्हें स्वस्थ कार्यालयीन वातावरण प्रदान करने, उनकी शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण तथा उन्हें स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराने, बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु समय पर टीकाकरण प्रदान करने एवं स्वास्थ्य के प्रति जन-

जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारी शिकायत निवारण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में आज 29 अप्रैल 2026 को मंडल के शहडोल स्टेशन के रेलवे चिकित्सालय में कर्मचारी शिकायत निवारण एवं बहुद्देशीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ, हृदय रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं फिजिशयनों द्वारा जांच की गई शिविर में शहडोल क्षेत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 266 कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। 9 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 26 बालिकाओं को एचपीवी के टीके एवं 42 कर्मचारियों को टिटनेस के टीके, 45 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं केंसर स्क्रीनिंग तथा 59 कर्मचारियों का नेत्र परीक्षण किया गया इस दौरान कर्मचारियों के रक्तचाप, मधुमेह, हाइट व वेट जांच के साथ ही विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई तथा दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई डाक्टरों की टीम द्वारा विभिन्न बीमारियों के लक्षण, प्रकार, इससे होने वाली हानि तथा परहेज करने के अलावा अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारियां भी दी गई। शिकायत निवारण शिविर में 04 कर्मचारियों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गईं । इन शिकायतों पर विचार-विमर्श कर कुछ शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। शेष शिकायतों का निराकरण रेलवे बोर्ड के गाइड लाइन के तहत अतिशीघ्र करने का आश्वासन दिया गया।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती विजया रहटकर

■ महिला उत्पीड़न मामलों की समीक्षा बैठक में प्रशासन और पुलिस को दिए सख्त निर्देश

बिलासपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की अध्यक्षा श्रीमती विजया रहटकर ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान महिला सुरक्षा, उत्पीड़न और शिकायतों के निराकरण को लेकर समीक्षा बैठक ली। मंथन सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह सहित महिला एवं बाल विकास, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में जिले में महिलाओं से संबंधित अपराध, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, बाल विवाह, मानव तस्करी, टोनही प्रथा और सामाजिक बहिष्कार, साइबर अपराध और महिला हेल्पलाइन से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज के संवेदनशील और सुरक्षित वातावरण से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध जांच और पीड़िताओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती रहटकर ने अधिकारियों से कहा कि महिला शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थानों और संबंधित विभागों में महिला प्रकरणों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने तथा पीड़ित महिलाओं को कानूनी एवं मनोवैज्ञानिक सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री

संजय अग्रवाल ने जिले में महिला सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन, मिशन शक्ति और जागरूकता अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली राशि से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने बताया कि महिला अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा नियमित निगरानी, त्वरित शिकायत पंजीयन और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष गश्त की जा रही है। बैठक के अंत में राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने अधिकारियों को महिला सुरक्षा के प्रति और अधिक सजग एवं उत्तरदायी होकर कार्य करने के निर्देश दिए तथा कहा कि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग चेतना अभियान पर आधारित लघु फिल्म का अवलोकन किया और इसकी प्रशंसा की। श्रीमती रहटकर ने आयोग की तेरे मेरे सपने योजना को जिले में लागू करने का सुझाव दिया। इसके तहत एक केंद्र में बैठकर विवाह पूर्व युवक युवतियों के आपसी समझ को बढ़ाने के लिए परामर्श दिया जाएगा। आयोग द्वारा पूरे देश में ऐसे 100 सेंटर पिछले एक साल में खोले गए हैं। श्रीमती रहटकर ने जिले की बिहान समूह की चुनिंदा लखपति दीदियों और सफल महिला उद्यमियों से चर्चा की और उनका हौसला बढ़ाया। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल,जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रेल यात्रा वृत्तांत पर अखिल भारतीय स्तर की निबंध प्रतियोगिता

बिलासपुर। रेलकर्मियों सहित जनसाधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव प्राप्त करने व हिंदी के प्रति रूची उत्पन्न करने एवं रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना, प्रारम्भ की गई है । इस योजना के तहत कोई भी भारतीय नागरिक रेल यात्रा से संबंधित संस्मरण ''रेल यात्रा वृत्तांत'' विषय पर न्यूनतम 3000 से अधिकतम 3500 शब्दों में एक निबंध टाइप कराकर दो प्रतियों में दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक सहायक निदेशक, हिन्दी (प्रशिक्षण) , कमरा नम्बर 316, काफ्मो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 पर भेज सकते हैं । इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा प्रथम पुरस्कार 10000 रू. के, द्वितीय पुरस्कार 8000 रू. के, तृतीय पुरस्कार 6000 रू. के एवं 5 प्रेरणा पुरस्कार प्रत्येक के लिए 4000 रु. के पुरस्कारों की व्यवस्था रखी गई है । इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालो के लिए नियमावली निम्नानुसार है:- रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना में भाग लेने वाले प्रतियोगी को चाहिए कि वे अधिक से अधिक 3000 शब्दों में यात्रा वृत्तांत कागज के एक ओर डबल स्पेस में टाइप, होना चाहिए, दो प्रतियों में होना चाहिए एवं प्रतियोगी का विवरण जैसे:- नाम, पदनाम, आयु, पता: कार्यालय/ निवास, मातृभाषा, दूरभाष/ मोबाइल, ई-मेल आदि का स्पष्ट उल्लेख किया गया हो ।

संपादकीय

महाशक्ति की सुरक्षा में सेंध

अमेरिका जैसे देश में राष्ट्र प्रमुख की सुरक्षा का घेरा दुनिया में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन यहां भी अगर सुरक्षा में चूक हो जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा? अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मीडिया कर्मियों के लिए आयोजित रात्रिभोज में गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर में सबके कान खड़े कर दिए हैं। यह वारदात ऐसे मौके पर हुई, जब यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी एवं प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सवाल है कि विश्व की महाशक्ति होने का दंभ भरने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति की सुरक्षा में अपने ही देश के भीतर इस तरह की चूक कैसे हो सकती है?कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हमलावर आयोजन स्थल में सेंध लगाने में कैसे कामयाब हो गया! गोलीबारी की वजह से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ट्रंप को उनकी पत्नी के साथ तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। यह घटना सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम देशों के लिए भी सबक है, जो मानते हैं कि उनके शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा अभेद्य है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था, लेकिन यहां राष्ट्रपति की मौजूदगी से मामले की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप पर पहले भी दो बार हमले हो चुके हैं, हालांकि यह बात अलग है कि उस दौरान वे अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। मार्च 2016 में लास वेगास में राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान रैली में एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी।हिरासत में पूछताछ में उसने स्वीकार किया था कि वह ट्रंप को नुकसान पहुंचाना चाहता था। इसके बाद जुलाई 2024 में चुनावी रैली में ट्रंप पर उस समय खतरनाक हमला हुआ था, जब वह मंच से भाषण दे रहे थे। मगर गनीमत रही कि हमलावर की ओर से चलाई गई गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूकर निकल गई। यह बात समझ में आती है कि इन दो घटनाओं के दौरान ट्रंप राष्ट्रपति नहीं थे, इसलिए उनकी सुरक्षा का दायरा उतना बड़ा नहीं था, लेकिन उनके राष्ट्रपति होते हुए अगर सुरक्षा में किसी तरह की चूक होती है, तो व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।इस घटना की शुरुआती जांच में एक बात यह भी निकलकर सामने आई है कि हमलावर सोशल मीडिया पर ट्रंप विरोधी टिप्पणियां करता रहा है और वह उस होटल में कुछ दिन पहले ठहरा था, जहां यह समारोह आयोजित किया गया था। यानी उसने आयोजन स्थल को पहले ही अच्छी तरह जांच परख लिया था और उसके बाद सुनियोजित तरीके से कार्यक्रम में घुसने की साजिश रची। यही नहीं खबरों के मुताबिक, हमलावर के परिवार ने उसकी मंशा को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पहले सतर्क भी किया था, लेकिन स्पष्ट है कि इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया।इस घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर यह कार्यक्रम व्हाइट हाउस में निर्माणाधीन सैन्य रूप से अत्यंत गोपनीय 'बालरूम' में हुआ होता, तो इस तरह की वारदात नहीं होती। अदालत ने इस निर्माण पर फिलहाल रोक लगा रखी है। मगर सवाल सिर्फ किसी एक सुरक्षित स्थान का नहीं है।

उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है।

गंगा एक्सप्रेसवे- आर्थिक पुनर्जागरण की जीवंत रेखा

(संजय सिन्हा)

किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं।गंगा की धारा जब किसी पत्थर से टकराती है, तो वह उसे काटती नहीं, बल्कि उसे घिसते-घिसते अपने रास्ते की शक्ल में ढाल लेती है। उत्तर प्रदेश की नियति भी कुछ ऐसी ही रही है। इस भूमि ने सभ्यताएं जन्मी हैं, क्रांतियां बोई हैं, फिर भी एक दशक पहले तक एक विडंबना इसके माथे पर चिपकी रही कि यह राज्य, जो देश की आबादी का छठा हिस्सा समेटे है, विकास की दौड़ में अक्सर पिछली पंक्ति में ही खड़ा दिखाई पड़ा। इतिहास की यह विरोधाभासी विरासत अब एक नए अध्याय की दहलीज पर खड़ी है और उस दहलीज का नाम है गंगा एक्सप्रेसवे, जो यूपी सरकार के संकल्प के एक बड़े प्रतिमान के रूप में अब साकार रूप में है।

594 किलोमीटर.मेरठ से प्रयागराज यह केवल एक सड़क की लंबाई नहीं है, बल्कि उस सोच की लंबाई है, जो मानती है कि किसी राज्य को बदलने के लिए पहले उसकी नसों में नई रक्त-संचार व्यवस्था बनानी पड़ती है। जब कोई जमीन पर इतनी बड़ी रेखा खींची जाती है, तो वह केवल भूगोल नहीं बदलती, वह उस भूगोल में जीने वाले लोगों की संभावनाओं का नक्शा बदल देती है। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए ऐसा ही एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप है, जिसे समझने के लिए केवल इंजीनियरिंग की नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दूरदर्शिता की भाषा जाननी होगी।

उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है।

जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी।

लॉजिस्टिक्स की दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है। जब गंगा एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर बनते हैं, तो यह समीकरण बदलता है। माल तेज़ पहुंचता है, भंडारण की जरूरत घटती है, ट्रांसपोर्ट का समय कम होता है और पूरी सप्लाई चेन अधिक विश्वसनीय बन जाती है।

उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है

गंगा एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला एक ट्रक केवल माल नहीं ढोएगा, वह उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। लेकिन, असली रूपांतरण तब होगा जब एक्सप्रेसवे के किनारे एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र उगेगा। सरकार की योजना औद्योगिक नोड्स, वेयरहाउसिंग हब और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की है। यह योजना अगर सही नीयत और सही क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरी, तो उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है। वह रीढ़, जिसके सहारे एक पूरा आर्थिक शरीर खड़ा होता है। टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए / विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हरदोई, शाहजहांपुर, बदाये, संभल रायबरेली, उन्नाव, ये वे शहर हैं जो अब तक विकास की मुख्यधारा से किनारे पड़े थे। एक्सप्रेसवे की पहुंच उन्हें एक बड़े आर्थिक नेटवर्क से जोड़ेगी।

गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा

किसानों की बात किए बिना यह विश्लेषण अधूरा है। किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं। कोल्ड चेन की कमी, खराब सड़कें और बाजार तक पहुंच की धीमी रफ्तार, ये तीन चीजें मिलकर किसान की उपज का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा। यदि इसके साथ-साथ एक्सप्रेसवे के किनारे कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-लॉजिस्टिक्स हब विकसित हों, तो किसान की तकदीर बदलने में देर नहीं लगेगी। यह विकास का वह बिंदु है जहां बुनियादी ढांचा सीधे मानवीय जीवन की गुणवत्ता से जुड़ता है।

एक्सप्रेसवे का एक और आयाम है जिसे अक्सर सार्वजनिक विमर्श में नजरअंदाज किया जाता है – रियल एस्टेट का रूपांतरण। जब भी किसी इलाके में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी आती है, जमीन की कीमतें बदलती हैं। नए आवासीय क्षेत्र उभरते हैं, लोग शहर के महंगे इलाकों को छोड़कर एक्सप्रेसवे के किनारे बसने लगते हैं। हालांकि इस प्रक्रिया में जमीन की सट्टेबाजी और असमान लाभ वितरण के खतरे भी हैं, जिनसे बचने के लिए सरकार को सक्रिय नीतिगत हस्तक्षेप करना होगा। रणनीतिक दृष्टि से भी यह एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण है। इसकी संरचना ऐसी बनाई गई है कि आपात स्थिति में इसे वायुसेना की एयरस्ट्रिप के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। यह विशेषता इसे केवल एक आर्थिक परियोजना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिसंपत्ति भी बनाती है।

गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक

निवेशकों का मनोविज्ञान भी इस संदर्भ में विचारणीय है। जब कोई राज्य इस पैमाने की परियोजना को समय पर, पारदर्शिता के साथ और कार्यकुशलता के साथ पूरा करता है, तो वह केवल एक सड़क नहीं बनाता, वह एक संदेश देता है कि यह राज्य अब गंभीर है। यहां शासन काम कर रहा है। यहां आपकी पूंजी सुरक्षित है और आपकी परियोजनाएं अटकेंगी नहीं। यह अमूर्त भरोसा बहुत ठोस परिणाम देता है। उत्तर प्रदेश, जो कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाता था, अब खुद को एक आधुनिक, निवेश-अनुकूल और महत्वाकांक्षी राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक है।

लेकिन यहां एक चेतावनी भी जरूरी है। बुनियादी ढांचा अपने आप में परिवर्तन नहीं लाता, वह केवल परिवर्तन की शर्तें बनाता है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहां शानदार सड़कें बनीं, पुल उठे, बंदरगाह बने लेकिन उनके आस-पास का जीवन नहीं बदला, क्योंकि नीतिगत वातावरण उनके साथ नहीं बदला।

परिवर्तन तब होगा जब सड़क के साथ-साथ शासन के संकल्प धरातल पर दिखाई देंगे।। जब किसान को उचित मुआवजा मिलेगा, युवा को कौशल प्रशिक्षण मिलेगा, उद्यमी को त्वरित अनुमति मिलेगी और पर्यावरण का ध्यान रखा जाएगा। इन चुनौतियों के बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि गंगा एक्सप्रेसवे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच की अभिव्यक्ति है जो मानते हैं कि उत्तर प्रदेश अब केवल 'सबसे बड़े राज्य' के अभिमान से नहीं, बल्कि 'सबसे तेज विकसित होते राज्य' की वास्तविकता से पहचाना जाएगा।

जब कोई सड़क बनती है, तो उस पर भविष्य की पदचापें भी अंकित होने लगती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे पर जो पहला ट्रक दौड़ेगा, जो पहली बस मेरठ से प्रयागराज जाएगी, जो पहला किसान अपनी सब्जी लेकर इस सड़क से गुजरेगा, वे सब इस परिवर्तन के पहले साक्षी होंगे। उनके लिए यह सड़क केवल सड़क नहीं होगी। यह एक वादे का पूरा होना होगा, उस वादे का, जो इस योगी सरकार से इस राज्य के करोड़ों लोगों ने मांगा था। (प्रो. संजय सिन्हा पलवल स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के स्किल फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ एंड रिसर्च के डीन हैं। इस लेख में लेखक के निजी विचार हैं। जनसत्ता का इनसे सहमत होना जरूरी नहीं है।)

नोएडा की हड़ताल- आर्थिक विषमता के बढ़ते संकट और मजदूरों की गहराती बेचैनी का संकेत

(पीएस वोहरा)

एक कमरे के मकान में रहने वाले मजदूरों का मासिक किराया तीन से चार हजार रुपया होता है, जो उनके वेतन का करीब 40 फीसद होता है। बाकी बचा हुआ हिस्सा खाने-पीने के राशन, बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो जाए और अगर बुजुर्ग माता-पिता आश्रित हों या छोटे भाई-बहन भी, तो उनका गुजर-बसर कैसे होगा?

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक प्रमुख हिस्से उत्तर प्रदेश के नोएडा में मजदूरों की हड़ताल चर्चा में रही और इसका मुख्य कारण उनकी न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने की मांग थी। कुछ दिनों तक चली ये हड़ताल आखिर में हिंसक हो गई और इसके चलते गरीब मजदूरों के पक्ष में समाज का संवेदनात्मक रुख मुड़कर 'निंदनीय' हो गया। यह सही है या गलत, इसका विश्लेषण व्यक्ति को खुद ही करना होगा, पर अब यह समझना आवश्यक है कि आज भारतीय समाज क्या उस मोड़ पर आकर नहीं खड़ा हो गया है, जहां आर्थिक विषमता एक बहुत बड़ा संकट बन चुकी है?

वास्तव में भारत एक गरीब मुल्क है, चाहे वह चार ट्रिलियन की बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया हो और इन दिनों डालर के सामने रुपए की गिरावट के चलते छठे स्थान पर आ गया हो। क्या इस तरक्की के साथ भारत के गरीब व्यक्ति का, उसके आर्थिक जीवन स्तर का, जो दशकों से संघर्षों से भरा हुआ है, कोई तालमेल दिखता है? यह बेवजह नहीं है कि एक लंबे अरसे से मजदूरों के मन में अपनी न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाने और एक सम्मानजनक जीवन जीने की प्रबल इच्छा उनकी मांग बन गई और वे सड़कों पर हड़ताल करने के लिए उतर गए। मजदूरों की मुख्य मांगों में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, समय पर वेतन, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा, साप्ताहिक अवकाश, महिला श्रमिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार, आठ घंटे से ज्यादा काम करने पर दोगुना ओवरटाइम वेतन और वक्त पर वार्षिक बोनस शामिल था। इन मांगों का अपना औचित्य है, लेकिन सच्चाई का एक पक्ष यह भी है कि मजदूर हड़ताल करने के लिए इसीलिए उतारू हुए कि वे बढ़ती आर्थिक असमानता, जिसके अंतर्गत कंपनियों के मुनाफों में वृद्धि और मालिकों की अमीरी के लगातार बढ़ते स्तर को भी देख रहे थे। इन सबके बीच एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मजदूर भी अपने वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे। यह छिपा नहीं है कि एक मजदूर का औसत वेतन दस से बारह हजार है, जिसमें कई बार उसे तकरीबन बारह घंटे श्रम करना पड़ता है। वहीं महंगाई पर नियंत्रण सरकार का नहीं है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गैस सिलेंडर के बढ़ते मूल्य हैं, जो अब मजदूरों की पहुंच से बाहर जा रहा है। एक कमरे के मकान में रहने वाले मजदूरों का मासिक किराया तीन से चार हजार रुपया होता है, जो उनके वेतन का करीब 40 फीसद होता है। बाकी बचा हुआ हिस्सा खाने-पीने के राशन, बच्चों की शिक्षा पर खर्च हो जाए और अगर बुजुर्ग माता-पिता आश्रित हों या छोटे भाई-बहन भी, तो उनका गुजर-बसर कैसे होगा? स्थिति और भी गंभीर है कि जब भी मजदूर अपने हक की मांग करता है, तो उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। कई रपटों के आंकड़े ये भी सामने आए कि आंदोलन के बाद कई कर्मचारियों को काम मिलना बंद हो गया।

सरकारी संस्थान, सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीआइएमई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले छह वर्षों में मजदूरों को उत्पादन (विक्रय और भंडार में बदलाव) का 5.16 फीसद का हिस्सा घटकर अब 4.97 फीसद रह गया है। वर्ष 1991 में यह हिस्सा सात फीसद से अधिक हुआ करता था। आर्थिक समीक्षा 2024-25 के अंतर्गत यह भी बताया गया कि पिछले पंद्रह वर्षों में कंपनियों का कर चुकाने के बाद का लाभ 149 फीसद बढ़ा है, जबकि कर्मचारियों का वेतन मात्र 52 फीसद।

भारत के कई बड़े शहरों में कारखानों में काम करने वाले कर्मचारी को अब ठेकेदारों के माध्यम से ही रखा जाता है। वर्ष 2000 तक ऐसे कर्मचारियों की तादाद 16 फीसद हुआ करती थी, जो अब 42 फीसद हो गई है। और इन सबकी वजह से कर्मचारी फैक्टरी के मालिकों से प्रत्यक्ष बात नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच कोई अनुबंध नहीं होता है और ठेकेदार कभी भी कर्मचारी का साथ नहीं देता। एक रपट में ये तथ्य दर्ज हैं कि निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत उम्र बढ़ने पर वेतन कम होने लगता है। 15 से 25 वर्ष तक की आयु के बीच निर्माण क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में मजदूरों का वेतन अधिक है, पर 25 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की आयु के बीच में अन्य क्षेत्रों की तुलना निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत मजदूरों के वेतन में 15 फीसद से लेकर 25 फीसद तक कमी देखी जाती है। अब इस पक्ष पर यह क्यों नहीं समझा जा रहा कि व्यक्ति पर इस आयु के दौरान पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता है, तो वह निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत कम वेतन पर अपनी जिम्मेदारियां कैसे उठा पाएगा!

नारी सम्मान पर मोहन यादव आगे, विपक्ष फिर पीछे क्यों?

इतिहास रचने का अवसर था, पर राजनीतिक मतभेद फिर आड़े आए

कृष्णमोहन झा

मध्यप्रदेश विधानसभा का 27 अप्रैल का विशेष सत्र केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं था, बल्कि यह उस विचार का उद्घोष था जिसमें नारी शक्ति को विकास की धुरी मानने का स्पष्ट संकल्प दिखाई देता है। महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का शासकीय संकल्प ध्वनिमत से पारित होना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इस सकारात्मक पहल के बीच एक कड़वी सच्चाई भी सामने आई–इतने महत्वपूर्ण अवसर पर भी विपक्ष का साथ न देना।

यह सवाल अब केवल राजनीतिक नहीं रह गया है, बल्कि यह नैतिकता और प्राथमिकताओं का प्रश्न बन गया है। जब बात देश और समाज की आधी आबादी के अधिकारों की हो, तब क्या राजनीति इतनी हावी हो जानी चाहिए कि सहमति की हर संभावना ही समाप्त हो जाए?

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संबोधन में जिस स्पष्टता से विपक्ष की भूमिका पर प्रश्न उठाए, वह केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि उस निराशा का प्रतिबिंब थी जो ऐसे अवसरों पर उत्पन्न होती है। उन्होंने यह कहा कि महिलाओं की आकांक्षाओं के साथ अन्याय हुआ है, और यह बात केवल भाषण तक सीमित नहीं है–यह उस व्यापक भावना को दर्शाती है जिसे समाज भी महसूस कर रहा है।

वास्तविकता यह है कि महिला आरक्षण का विषय कोई नया मुद्दा नहीं है। यह वर्षों से चर्चा का विषय रहा है, और हर बार यह अपेक्षा की गई कि जब अवसर आएगा, तो सभी दल एकजुट होकर इसे साकार करेंगे। लेकिन इतिहास गवाह है कि यह मुद्दा बार-बार राजनीतिक गणित का शिकार हुआ है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब एक राज्य विधानसभा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर स्पष्ट संदेश देना चाहती है, तब विपक्ष इस अवसर को राजनीतिक चश्मे से देखता है। यह केवल असहमति का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह उस दृष्टिकोण का संकेत है जिसमें सामाजिक मुद्दों को भी राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाता है।

जब अधिकारों पर राजनीति हावी हो जाती है, तब समाज का संतुलन बिगड़ता है।

यह भी विचारणीय है कि यदि इस विषय पर सर्वसम्मति बनती, तो यह केवल एक प्रस्ताव पारित होने की घटना नहीं होती, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण बनती। लेकिन ऐसा न हो पाना यह संकेत देता है कि अभी भी हमारी राजनीति उस स्तर तक नहीं पहुँच पाई है, जहाँ सामाजिक न्याय के मुद्दों पर दलगत सीमाएँ समाप्त हो जाएँ।

हालाँकि, इस पूरे परिदृश्य में मध्यप्रदेश की पहल एक सकारात्मक दिशा दिखाती है। राज्य सरकार ने न केवल नीतिगत स्तर पर बल्कि व्यवहारिक स्तर पर भी महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण, सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण, प्रशासनिक पदों पर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी–ये सभी कदम यह दर्शाते हैं कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो परिवर्तन संभव है।

प्रदेश में चल रही लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना जैसी योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनी हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाएँ आत्मनिर्भर बनी हैं। औद्योगिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास, विशेषकर धार जिले में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की स्थापना, यह दर्शाती है कि महिला सशक्तिकरण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

यहाँ एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब राज्य स्तर पर इस प्रकार की सकारात्मक पहलें हो रही हैं, तब राष्ट्रीय स्तर पर सहमति क्यों नहीं बन पा रही है? क्या यह केवल राजनीतिक मतभेदों का परिणाम है, या फिर इसके पीछे कोई गहरी रणनीति छिपी है?

विपक्ष को यह समझना होगा कि महिला सशक्तिकरण का मुद्दा केवल सरकार का एजेंडा नहीं है, बल्कि यह समाज की आवश्यकता है। यदि इस विषय पर भी राजनीतिक विरोध जारी रहेगा, तो इसका सीधा असर समाज पर पड़ेगा और महिलाओं के बीच यह संदेश जाएगा कि उनके अधिकार अभी भी राजनीति के अधीन यह कहा जा सकता है कि मध्यप्रदेश ने एक सकारात्मक पहल की है, लेकिन इस पहल को पूर्ण सफलता तभी मिलेगी जब इसे व्यापक राजनीतिक समर्थन प्राप्त होगा। विपक्ष को भी इस विषय पर अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं जिन्हें राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। यदि हम वास्तव में एक सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो यह आवश्यक है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नीतियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

क्योंकि अंततः—
नारी का सम्मान ही राष्ट्र का स्वाभिमान है।
(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

एक्यूट किडनी इंजरी के खतरे को कम करती है कॉफी

हाल ही में एक नए अध्ययन से पता चला है कि, एक दिन में कम से कम एक कप कॉफी का सेवन करना एक्यूट किडनी इंजरी (एकेआई) कम कर सकता है। एकेआई को गुर्दे की गंभीर बिमारी के रूप में परिभाषित किया गया है, जो बहुत तेजी से गुर्दे के खराब होने से जुड़ा हुआ है।

जर्नल किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि, ''जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई 15 प्रतिशत कम था। वहीं दिन में दो से तीन कप पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई।'' एक्यूट किडनी इंजरी में अपशिष्ट उत्पादों का निर्माण करता है, जिससे किडनी के लिए शरीर में तरल पदार्थो का सही संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं को संदेह है कि, ''एकेआई जोखिम पर कॉफी के प्रभाव का कारण यह हो सकता है कि या तो जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों को कैफीन के साथ जोड़ा जाता है या सिर्फ कैफीन ही गुर्दे के भीतर छिड़काव और ऑक्सीजन के उपयोग में सुधार करता है।'' यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के प्रोफेसर संबंधित लेखक चिराग पारिख ने कहा, ''गुर्दे की अच्छी कार्यप्रणाली और एकेआई के प्रति सहनशीलता एक स्थिर रक्त आपूर्ति और ऑक्सीजन पर निर्भर है।'' टीम ने 14,207 वयस्कों का आकलन किया, जिनका 24 साल की अवधि में सात बार सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण अवधि के दौरान, तीव्र गुर्दे की चोट के 1,694 मामले दर्ज किए गए। हालांकि, अधिक अध्ययन की जरूरत है। पारिख ने कहा, ''गुर्दे के लिए कॉफी की खपत के संभावित सुरक्षात्मक तंत्र को परिभाषित करने के लिए, विशेष रूप से सेलुलर स्तर पर।''

पानी की कमी के साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को भी दूर करता है पपीता

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है।

पपीता सेहतमंद फल माना जाता है। गर्मियों में इसे विशेष रूप से पसन्द किया जाता है। कहते हैं पपीता पानी की कमी को दूर करता है। साथ ही यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। एक तरफ जहाँ पपीता सेहत के लिए फायदेमंद होता है वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए भी बहुत फायदे वाला है। प्रदूषण, धूल-मिट्टी की वजह से बालों में आई कई परेशानियों से पपीता राहत दिलाता है। पपीते से तैयार होममेड हेयर मास्क से आप ड्राई और बेजान बालों में भी चमक ला सकते हैं।

पपीता, केला व शहद का हेयर मास्क

रूखे व बेजान बालों के लिए यह हेयर मास्क बेहद असरदार है। इसके लिए एक पके केले में 7-8 टुकड़े पपीते के डालकर मसलें। फिर इसमें 1 चम्मच शहद डालें। सारी सामग्री को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को अपने पूरे बालों में लगाएं और 2-3 घंटों के लिए लगा रहने दें। बाद में बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता, नींबू के रस व शहद का हेयर मास्क

एवं बालों में रूसी और खुजली से छुटकारा दिलाने में यह हेयर मास्क बेहद फायदेमंद है। इसके लिए एक कटोरी में 8-9 टुकड़े पपीता लेकर इन्हें पीस लें। अब इसमें 2 चम्मच नींबू का रस व 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपनी सिर की त्वचा में लगाएं तथा हल्के हाथों से सर की मालिश करें। 1 घंटे तक लगे रहने के बाद बालों को शैंपू से धो लें।

पपीता-शहद-कोकोनट मिल्क हेयर मास्क

पपीता के आधे कप टुकड़ों को ब्लेंड कर के एक बाउल में इसको निकाल लें। अब इसमें आधा कप कोकोनट मिल्क और एक चम्मच शहद मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह से आपस में मिक्स कर लें फिर बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। इसके बाद हल्के हाथों से पांच मिनट मालिश करें फिर आधा घंटा लगा रहने दें, इसके बाद शैम्पू कर लें।

पपीता-ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

एक कप पपीते के टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लें। अब दो चम्मच पपीते को एक बाउल में निकालें और इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिक्स कर लें। इन दोनों चीजों को आपस में अच्छी तरह से मिला लें और इसको बालों और स्कैल्प पर लगाकर दस मिनट तक सर की मालिश करें। इसके बाद आधा घंटा इसको लगा रहने दें फिर शैम्पू कर लें।

पपीता-दही हेयर मास्क

पपीता और दही का हेयर मास्क बनाने के लिए एक कप पपीते को ब्लेंड करके पल्प तैयार कर लें। अब इसको छलनी या कपड़े की मदद से छान कर इसका रस अलग कर लें। अब चार-पांच चम्मच पपीते का रस लें और फिर इसमें दो चम्मच दही मिक्स कर लें। दोनों चीजों को फेंट कर आपस में मिक्स कर लें और ब्रश या उंगलियों की मदद से स्कैल्प और बालों पर लगा कर आधा घंटा ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक सर की मसाज करें फिर शैम्पू कर लें।

पपीता-विटामिन ई ऑयल हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए विटामिन ई का तेल लें और करी पत्ते को एक उपयुक्त बर्तन में डालकर मीडियम आंच पर रखें। इसे तब तक गर्म करें जब तक पत्तियां चटकने न लगें। आंच बंद कर दें और तेल को कुछ मिनट के लिए ठंडा होने दें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे छानकर एक कप में निकाल लें। थोड़ा पपीते का रस डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण से अपने सिर की मालिश करें। इसे अच्छी तरह से लगाएं और एक या दो घंटे के लिए रहने दें।

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क

पपीता-एलोवेरा हेयर मास्क बनाने के लिए आप पपीते को छीलकर इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब करीब एक कप पपीते के टुकड़े लेकर इसको अच्छी तरह से ब्लेंड कर लें और इसका रस अलग कर लें। अब इस पपीते के रस में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अच्छी तरह से दोनों चीजों को मिक्स कर लें। फिर इस मिक्सचर को बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से अप्लाई करके आधा घंटा छोड़ दें। इसके बाद पांच मिनट तक बालों और स्कैल्प की मसाज करके शैम्पू कर लें।

पपीता, बेसन और दही का हेयर मास्क

ये बालों में प्राकृतिक चमक बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पपीते को मिक्सर में पीसकर पेस्ट तैयार करें। पपीते के पेस्ट में दही और बेसन मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करें। हेयर मास्क इस्तेमाल के लिए तैयार है। इस्तेमाल के लिए बालों को अच्छी तरह से सुलझाकर दो बराबर भागों में विभाजित करें। हेयर मास्क से अपने स्कैल्प की अच्छी तरह से मालिश करें। हेयर मास्क को लगभग आधे घंटे तक बालों में रहने दें। सिर को शावर कैप से ढक लें। 30 मिनट के बाद बालों को माइल्ड शैम्पू से धो लें। इस हेयर मास्क को 15 दिनों में एक बार दोहराएं।

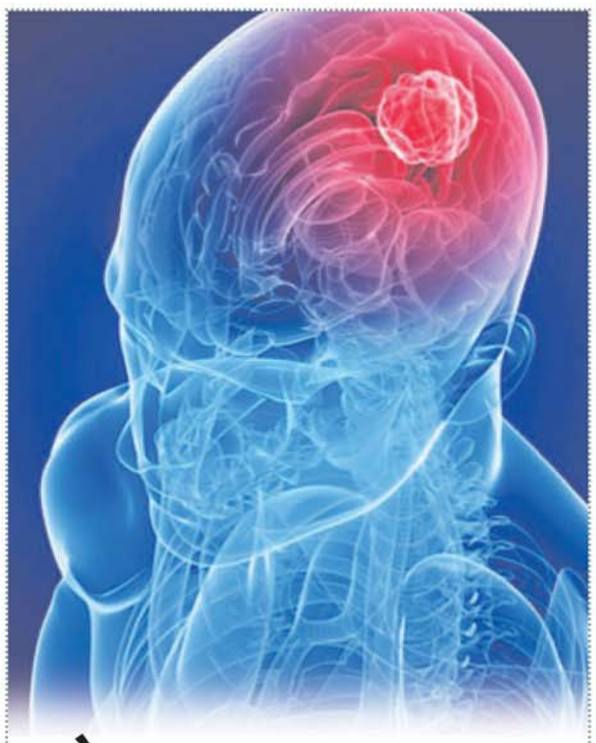

ब्रेन ट्यूमर का इलाज संभव

ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में होने वाली असामान्य कोशिकाओं का एक संग्रह है। जब ट्यूमर बढ़ता है, तो इससे खोपड़ी के अंदर दबाव बढ़ सकता है। यह स्थिति मस्तिष्क को क्षति पहुंचाती है और खतरनाक हो सकती है।

अलग-अलग मामलों में ब्रेन ट्यूमर के संकेत और लक्षण भिन्न हो सकते हैं। यह ब्रेन ट्यूमर के आकार, स्थान और बढ़ने की दर पर निर्भर करते हैं। कई बार बिना किसी लक्षण के भी व्यक्ति को ब्रेन ट्यूमर की समस्या हो सकती है। ब्रेन ट्यूमर में निम्न संकेत व लक्षण शामिल होते हैं जैसे कि बार-बार सिरदर्द होना ब्रेन ट्यूमर का एक आम लक्षण है, सिरदर्द का धीरे-धीरे गंभीर होते जाना, बिना किसी कारण के उल्टी और मतली आना, धुंधला दिखाई देना, दोहरा दिखाई देना, दूर की नजर कमजोर होना, हाथ व पैर के संचालन व संवेदनशीलता में लगातार कमी आना, शरीर का संतुलन बिगड़ना, उलझन, व्यवहार में परिवर्तन आना, थकान होना, सुस्ती आना, शॉर्ट टर्म मैमोरी लॉस, बोलने या समझने में कठिनाई, नींद न आना, दैनिक गतिविधियों व उनको करने की क्षमता में बदलाव आना आदि।

ब्रेन ट्यूमर होने के जोखिम को बढ़ाने वाले कुछ कारकों की पहचान की जा चुकी है, जैसे बढ़ती आयु, रेडिएशन का दुष्प्रभाव, कैंसर का पारिवारिक इतिहास और एचआईवी या एड्स होना। उम्र बढ़ने के साथ ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा बढ़ सकता है। वृद्ध व्यक्तियों में ब्रेन ट्यूमर होना सबसे आम है। हालांकि, ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकता है। कुछ प्रकार के ब्रेन ट्यूमर तो केवल बच्चों में ही पाए जाते हैं।

रेडिएशन का एक्सपोजर

जिन लोगों को 'आयोनिजिंग रेडिएशन' नामक एक खास रेडिएशन का एक्सपोजर हुआ हो, उनमें ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है। आयोनिजिंग रेडिएशन होती है सिर पर एक बड़ी मशीन से विकिरण चिकित्सा करवाना जैसे कि कैंसर के इलाज में की जाती है।

पारिवारिक इतिहास

यदि आपके परिवार के किसी सदस्य को पहले कभी ब्रेन ट्यूमर की समस्या रही हो, तो आपके मस्तिष्क में ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है।

पहले कैंसर होना

कैंसर से पीड़ित बच्चों को अपने बाद के जीवनकाल में ब्रेन ट्यूमर होने का अधिक खतरा रहता है। जिन वयस्कों को ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) होता है, उनमें भी इसके होने का खतरा रहता है।

एच.आई.वी-एड्स

सामान्य जनसंख्या की तुलना में, यदि आपको एचआईवी या ऐड्स है तो आपको ब्रेन ट्यूमर होने की संभावना अधिक होती है।

यदि आपको ब्रेन ट्यूमर से जुड़े किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस होते हैं तो ऐसी स्थिति में आप डॉक्टर से तुरंत शारीरिक परीक्षण लें जैसे न्यूरोलॉजिक परिक्षण, एमआरआई, सीटी स्कैन, स्पाइनल टैप और जरूरत होने पर बॉयोप्सी करवा, जल्द से जल्द इलाज कराना चाहिए।

विटामिन-मिनरल को चूस लेता है तंबाकू

स्मोकिंग और तंबाकू से शरीर में पोषण की कमी हो सकती है और कमजोरी आ सकती है।

तंबाकू की खेती से मिट्टी का उपजाऊपन खो जाता है और उसके अंदर फॉस्फोरस, पोटैशियम, सल्फर और मैग्नीशियम खत्म हो जाता है। जो पदार्थ मिट्टी से पोषण छीन सकता है, वो आपके शरीर में भी विटामिन व मिनरल्स की कमी कर सकता है।

निकोटीन है असली दुश्मन

डॉक्टर ने बताया कि तंबाकू के अंदर निकोटीन और कई सारे खतरनाक कैमिकल होते हैं। ये जहरीले पदार्थ पोषण को इस्तेमाल करने की क्षमता को कम कर देता है। जिसकी वजह से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

चली जाती है स्वाद और गंध

निकोटीन आपके टेस्ट बड्स को धीरे-धीरे कमजोर कर देता है, जिसकी वजह से आपको स्वाद कम आने लगता है। इसी वजह से स्मोकिंग करने वाले अधिकतर लोग तेज मसाले और मीठा खाते हैं। स्मोकिंग करने पर शरीर को कम ऑक्सीजन मिलती है। जिसकी वजह से नेजल पैसेज भी डैमेज होने लगता है और गंध आनी कम हो जाती है।

भूख हो जाती है कम

स्मोकिंग से दिमाग और सेंट्रल नर्वस सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। इसके कारण भूख कम होने लगती है और आपकी डाइट घट जाती है। इसकी वजह से शरीर को कम पोषण मिलता है और न्यूट्रिशन की कमी हो सकती है।

कम होने लगते हैं ये विटामिन और मिनरल

निकोटीन के कारण पोषक तत्वों का ढंग से इस्तेमाल नहीं हो पाता और इनकी स्टोरेज भी खत्म होने लगती है। यह आपके शरीर में विटामिन बी, सी, ई और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स की कमी कर सकता है। ये पोषक तत्व जल्दी आने वाले बुढ़ापे से बचाने वाले सेलुलर रिपेयर और रीजनेरेशन के लिए जरूरी होते हैं।

चूस लेगा विटामिन डी

निकोटीन का सेवन विटामिन डी और कैल्शियम व फॉस्फोरस का एब्जोर्प्शन रोक सकता है। जो कि हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होते हैं। इनकी कमी से नाजुक हड्डियां, जोड़ों में अकड़न, हाथ-पैर में सुन्नपन और कमजोरी आ सकती है।

करें ये काम

डॉक्टर ने बताया कि आपको स्मोकिंग व तंबाकू छोड़ने के तरीके जल्द से जल्द अपनाने चाहिए। लेकिन तबतक के लिए डाइट में ताजे फल और सब्जियों का सेवन बढ़ा दें। जिससे शरीर को एंटीऑक्सीडेंटस, विटामिन व मिनरल्स की डेली डोज मिलती रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल एयरलाइंस ने मानी गलती: पहले नक्शे में जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग पाक में दिखाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय एयरलाइन को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गंभीर

मानचित्रण (कार्टोग्राफिक) गलती के कारण माफी मांगनी पड़ी है। एयरलाइन ने अपनी नेटवर्क मैप वाली पोस्ट में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखा दिया था, जिससे विवाद खड़ा हो गया। बुधवार को साझा किए गए इस नक्शे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को गलत तरीके से दर्शाया गया था। जैसे ही यह पोस्ट सामने आई, सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे तथ्यात्मक रूप से गलत बताया। बढ़ते विरोध के बाद एयरलाइन ने तुरंत पोस्ट हटा दी। नेपाल एयरलाइन ने सोशल मीडिया एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि हम अपने सोशल मीडिया पर साझा किए गए नेटवर्क मैप में हुई गलती के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। इस नक्शे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को लेकर गंभीर त्रुटियां थीं, जो नेपाल या एयरलाइन के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शातीं। एयरलाइन ने यह भी बताया कि पोस्ट हटाने के साथ ही आंतरिक समीक्षा शुरू कर दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो। एयरलाइन ने अपने बयान में यह भी कहा कि वह क्षेत्र के सभी पड़ोसी देशों के साथ मजबूत संबंधों को महत्व देती है और इस घटना से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो उसे लेकर खेद जताती है।

एक महीने के उच्च स्तर पर कच्चा तेल: यूएस ने ईरान पर नाकेबंदी को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के जरिये आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा की चिंताओं से बुधवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पांच फीसदी से अधिक बढ़कर एक महीने

के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। कच्चे तेल में उछाल का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला और यह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.88 पर बंद हुआ। दरअसल, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को ईरान पर नाकेबंदी को और आगे बढ़ाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। इससे पश्चिम एशिया के इस अहम तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति में रुकावटें और लंबे समय तक बनी रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 6.08 डॉलर या 5.5 फीसदी बढ़कर 117.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। यह 31 मार्च के बाद ब्रेंट क्रूड का एक महीने का उच्च स्तर है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 5.26 डॉलर या 5.3 फीसदी उछलकर 105.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही, तेल में आठ दिनों से तेजी का सिलसिला जारी है। क्रूड की कीमतों में उछाल के साथ विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी से भी बुधवार को रुपये में गिरावट आई। ?फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। आने वाले समय में रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 94.88 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले रुपया 27 मार्च को 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर

काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा। वैश्विक देशों से समर्थन की अपील अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव: यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा।

आगे क्या हो सकता है?: अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह नया गठबंधन समुद्री व्यापार को स्थिर कर पाएगा या नहीं।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। एक मई से दोहा के लिए फिर शुरू होंगी भारतीय विमान सेवाएं कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ॥ पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को फिर से सुरक्षित बनाने पर बात हुई। अमेरिका और ईरान के बीच अभी अस्थायी युद्धविराम चल रहा है। इस कारण फिलहाल जंग रुकी हुई है। लेकिन इलाके में तनाव अब भी बना हुआ है। दोनों पक्षों के बीच अभी तक कोई पक्का समाधान नहीं निकल पाया है।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा: डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की। जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता। इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है।

पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है। दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।' ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था। कोर्ट रिकॉर्ड्स के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान

ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था। हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसैंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच हिंद-प्रशांत में चीनी सैन्य ताकत से बढ़ी टेंशन, अमेरिकी सांसदों ने जाहिर की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में अमेरिकी संसद के भीतर इन दिनों वैश्विक रणनीतिक संतुलन को लेकर गंभीर बहस चल रही है। सांसदों ने चिंता जताई है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सैन्य गतिविधियों के बीच हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत अमेरिका की दीर्घकालिक रणनीति को प्रभावित कर सकती है। यह चर्चा उस समय हो रही है जब अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर सैन्य और कूटनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता पर सवाल

अमेरिकी सांसदों ने पेंटागन बजट सुनवाई के दौरान कहा कि चीन अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं रहा, बल्कि वह तेजी से वैश्विक सैन्य ताकत के रूप में उभर रहा है। चीन लगातार अपने नौसैनिक बेड़े, मिसाइल तकनीक और अंतरिक्ष क्षमताओं में निवेश बढ़ा रहा है, जिससे प्रशांत महासागर में शक्ति संतुलन बदल रहा है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर

सांसदों ने यह भी चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य तैनाती बढ़ने से हिंद-प्रशांत में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता कमजोर हो सकती है। उनका कहना है कि अगर अमेरिका का ध्यान इस क्षेत्र से हटता है, तो चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का और अवसर मिल सकता है।

रणनीतिक संतुलन की चुनौती

सुनवाई में समिति अध्यक्ष माइक डी. रोजर्स ने कहा कि अमेरिका इस समय अभूतपूर्व वैश्विक

खतरे का सामना कर रहा है, जिसमें चीन सबसे बड़ा चुनौतीकर्ता है। वहीं जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन ने कहा कि सैन्य तैनाती हमेशा जोखिम और प्राथमिकताओं के आधार पर संतुलित की जाती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया भर में एक साथ कई खतरों से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नीति का उद्देश्य तात्कालिक सुरक्षा और दीर्घकालिक रोकथाम दोनों को संतुलित रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह मिडिल ईस्ट और हिंद-प्रशांत दोनों क्षेत्रों में समान रूप से प्रभाव बनाए रखे।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन?: किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता।' दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा। लेकिन साल 1849 में द्वितीय एंग्लो-सिख युद्ध के बाद अंग्रेजों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। उस समय मात्र 10 साल के महाराजा दलीप सिंह से एक समझौते पर हस्ताक्षर करवाकर यह हीरा ब्रिटेन ले जाया गया। आज यह हीरा लंदन के लंदन के टॉवर में रखा हुआ है और ब्रिटिश शाही ताज का हिस्सा है। भारत लंबे समय से इसे वापस लाने की मांग करता रहा है और इसे 'लूटी गई धरोहर' मानता है। मेयर ममदानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब किंग चार्ल्स न्यूयॉर्क के वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 11 सितंबर 2001 के हमलों की 25वीं बरसी के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में खुद ममदानी भी मौजूद रहेंगे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी का भारत से भी गहरा रिश्ता है। उनकी मां मीरा नायर भारत में जन्मी हैं। ऐसे में उनका यह बयान सिर्फ एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और ऐतिहासिक जुड़ाव को भी दर्शाता है। यह बहस तेज हो गई है कि क्या ब्रिटेन को अपने कब्जे में रखी ऐतिहासिक वस्तुएं; जैसे कोहिनूर - उन देशों को वापस कर देनी चाहिए, जहां से वे लाई गई थीं।

लंदन में यहूदियों पर चाकू से हमला; पुलिस ने मानी आतंकी घटना, पीएम स्टार्मर ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर हुए एक हमले ने ब्रिटेन में सुरक्षा और बढ़ते एंटी-सेमिटिज्म को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दो यहूदी राहगीरों को घायल कर दिया। ब्रिटिश काउंटर-टेररिज्म पुलिस ने इस घटना को आतंकी हमला करार दिया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने घटना पर गहरी चिंता जताई।

घटना दिन में हुई, जब एक 45 वर्षीय हमलावर कथित तौर पर गोल्डर्स ग्रीन रोड पर चाकू लेकर दौड़ता हुआ यहूदी लोगों को निशाना बना रहा था। सामुदायिक निगरानी समूह शोमरिम ने सोशल मीडिया पर बताया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी नागरिकों को ढूंढकर हमला करने की कोशिश कर रहा था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावर ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने टेजर का इस्तेमाल कर उसे काबू में लिया और गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोप में हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमिश्नर मार्क रोवली के अनुसार आरोपी का गंभीर हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड रहा है। हमले में घायल दो लोगों की उम्र

76 और 34 वर्ष बताई गई है। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति स्थिर है।

इस घटना के बाद आपातकालीन कोबरा बैठक भी बुलाई गई। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा कि राजधानी में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और समाज में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

गृह सचिव और किंग चार्ल्स तृतीय ने जताई चिंता

ब्रिटेन की गृह सचिव शबाना महमूद ने बताया कि प्रभावित इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, किंग चार्ल्स तृतीय, जो इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं, उन्हें भी इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है और उन्होंने इस पर गहरी चिंता जताई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे। इस मामले में तीन लोगों पर आरोप तय किए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में उसी इलाके में एक मेमोरियल वॉल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जिसकी जांच फिलहाल काउंटर-टेररिज्म पुलिस कर रही है। 21 अप्रैल को पुलिस ने यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर आगजनी की साजिश रचने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन एक 17 वर्षीय किशोर ने केंटन स्थित एक सिनेगॉग पर पेट्रोल बम से हमला करने की बात स्वीकार की थी।

आईपीएल 2026

'नई गेंद से शुरुआती ओवरों में विकेट लेना अहम रहा'

प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद बोले जेसन होल्डर

अहमदाबाद, । आईपीएल 2026 में गुरुवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला खेला गया। ऑलराउंडर जेसन होल्डर के गेंद और बल्ले से किए बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जीटी ने मैच 4 विकेट से जीता। होल्डर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित होने पर होल्डर ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैच के दौरान जिस तरह से चीजें हुईं, उससे खुश हूं। यह रात उन खास रातों में से एक थी जब पूरी टीम के लिए सब कुछ सही दिशा में गया। शुरुआत से ही टीम की ऊर्जा काफी अच्छी थी, जिसका असर खेल पर स्पष्ट रूप से दिखा। नई गेंद से शुरुआती ओवरों में विकेट लेना टीम के लिए अहम रहा, और इससे मैच का रुख बदल गया। रबाडा और सिराज ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।' पाटीदार वाले कैच पर होल्डर ने कहा, 'मैंने रबाडा को देखा था और टकराव से बचने की कोशिश कर रहा था। मुख्य लक्ष्य गेंद तक पहुंचकर उसे सुरक्षित पकड़ना था। गेंद मेरी तरफ ही आ रही थी। मैं तलाशने नहीं गया था। मैंने मौके का फायदा उठाया। '

होल्डर ने कहा, 'टीम का माहौल काफी व्यवस्थित है और हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका समझनी होती है। कोच आशीष की योजनाएं काफी स्पष्ट और विस्तृत होती हैं, जिससे खिलाड़ियों को मदद मिलती है। कई बार उन्हें पहले से स्थिति का अंदाजा नहीं होता, लेकिन वह खुद को हर परिस्थिति के अनुसार ढालने के लिए तैयार रखते हैं। '

मैच की बात करें तो गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। अरशद खान, राशिद खान और होल्डर की घातक गेंदबाजी की बदौलत जीटी ने आरसीबी को 19.2 ओवर में 155 पर समेट दिया था।

जीटी ने 15.5 ओवर में 6 विकेट पर 158 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सा. अफ्रीका 'ए' टीम घोषित

- पैटरसन और बार्टमैन मुख्य खिलाड़ी

जोहान्सबर्ग। अनुभवी खिलाड़ी डेन पैटरसन और ओटनील बार्टमैन को तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना के साथ साउथ अफ्रीका 'ए' टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड के दौरे पर यह टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लाल और सफेद गेंदों की एक सीरीज खेलेगी। 22 मई से दो चार-दिवसीय मुकाबलों के साथ इस दौरे की शुरुआत होगी, जिसमें टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे। कोचिंग समूह का नेतृत्व वांडिले ग्वावु करेंगे। जस्टिन ओंटोंग और रोरी क्लेनवेल्ट क्रमश: बल्लेबाजी और गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे। चार दिवसीय मैच अरुंडेल और बेकेनहैम में खेले जाएंगे। सफेद गेंद के मुकाबले लीसेस्टर और वॉर्सेस्टर में आयोजित होंगे। 33 वर्षीय बार्टमैन टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में चुने जाने से चूकने के बाद अब फिर से टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। वह लाल गेंद (टेस्ट) फॉर्मेट में अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश करेंगे। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके युवा तेज गेंदबाज मोकोएना टीम में अपनी जगह पक्की करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पैटरसन का टीम में शामिल होना टेस्ट में उनकी उल्लेखनीय वापसी का संकेत है। इस तेज गेंदबाज ने आखिरी बार 2024 के बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था, जिसने साउथ अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में मदद की थी। हालांकि, वह टीम के साथ लॉर्ड्स गए थे, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली और इसके बाद वह पाकिस्तान और भारत के दौरों से भी बाहर रहे।

एक ही ओवर में 5 चौके, इस लिस्ट में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बने विराट कोहली

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली आरसीबी की तरफ से एक ओवर में

सर्वाधिक चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से 'नंबर-1' बन गए हैं। विराट कोहली ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ मुकाबले के दूसरे ओवर में पांच चौके लगाए। उन्होंने कगिसो रबाडा के खिलाफ ओवर की शुरुआती 5 गेंदों पर ऐसा किया, जिसके साथ कोहली ने क्रिस गेल और शेन वॉटसन की बराबरी कर ली। क्रिस गेल ने साल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ ईश्वर पांडे के एक ही ओवर में 5 चौके लगाए थे, जबकि शेन वॉटसन ने साल 2016 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के विरुद्ध थिसारा परेरा के खिलाफ ऐसा किया था। इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे कोहली ने गुरुवार को जीटी के खिलाफ 13 गेंदों का सामना करते हुए 28 रन बनाए। इस पारी में 1 छक्का और 5 चौके शामिल थे।

खुद इस राज से उठाया पर्दा

क्यों 'रिवर्स स्वीप' नहीं खेलते थे चेतेश्वर पुजारा?

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने बताया है कि 'रिवर्स स्वीप' जैसे आधुनिक आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश करना उनके बैटिंग स्टाइल के लिए सही नहीं होता। टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने से वह अपना विकेट गंवा सकते थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारत की ओर से 103 टेस्ट मुकाबले खेले, जिसमें 43.60 की औसत के साथ 7,195 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 19 शतक और 35 अर्धशतक निकले। इसके अलावा, पुजारा ने भारत के लिए 5 वनडे मुकाबले भी खेले। पूर्व क्रिकेटर ने यह बात 'जियो हॉटस्टार' पर भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री के साथ एक हल्के-फुल्के अंदाज में की। उनसे शास्त्री ने मजाक में पूछा था कि अगर उन्हें करियर की शुरुआत में रिवर्स स्वीप की प्रैक्टिस करने को कहा जाता, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया होती?

शास्त्री ने कहा, 'जब मैं कोच था, पुजारा, अगर मैंने आपसे तीन साल पहले रिवर्स स्वीप की प्रैक्टिस करने को कहा होता, तो आप बैट लेकर मेरे पीछे दौड़ते। है ना?

इसके जवाब में पुजारा ने कहा, 'अगर मैंने किसी टेस्ट मैच में ऐसा शॉट खेला होता, तो रन नहीं बना पाता। मेरे तीनों स्टंप उड़ गए होते, क्योंकि मेरे लिए वह शॉट खेलना बहुत मुश्किल था। '

पूर्व कोच और बल्लेबाज की इस जोड़ी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की ऐतिहासिक जीत पर भी बात की, जहां चेतेश्वर पुजारा ने अहम भूमिका निभाई थी। 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पुजारा ने 521 रन बनाए, जिसमें तीन शतक शामिल थे। वह सीरीज के सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज जीती।

इसके बाद 2020-21 सीरीज में भी पुजारा का धैर्य और दबाव झेलने की क्षमता टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थकाकर भारत की एक और ऐतिहासिक जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

पुजारा की अहमियत पर शास्त्री ने कहा, 'यह वर्ल्ड कप जीतने जैसा ही था। किसी भी एशियन टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में कभी नहीं हराया था। इसलिए, यह सबसे मुश्किल दौरा था। पुजारा हमारे सैनिक थे। उन्होंने दोनों दौरों पर और यहां तक कि इंग्लैंड में भी चोटें खाईं, लेकिन फिर भी डटकर मुकाबला किया। उनकी मौजूदगी बहुत जरूरी थी। उनके बिना हम यह नहीं कर पाते। '

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचे हरभजन सिंह, सुरक्षा हटाने के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने इस मामले में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल करते हुए अपनी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। पूर्व क्रिकेटर ने अपनी याचिका में पूछा है कि आखिर किस आधार पर उनकी सुरक्षा हटाई गई। इसके साथ ही उन्होंने उस घटना पर कार्रवाई की मांग भी की है, जिसमें

कथित तौर पर उनके घर के बाहर 'गद्दार' लिख दिया गया था और भीड़ ने हमला करने की कोशिश की थी। इस मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने पंजाब सरकार से सुरक्षा समीक्षा के आधार पर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पंजाब सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि किस आधार पर सुरक्षा समीक्षा करते हुए इसे हटाने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही 'गद्दार' लिखे जाने की घटना पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी (आप) का साथ जोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा था।

वैभव सूर्यवंशी टी 20 क्रिकेट के एक सीजन में 37 छक्के लगा चुके

एक छक्का लगते ही बन जाएगा रिकॉर्ड जो अब तक नहीं बना

जयपुर (राजस्थान) (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (ऋऋ) के 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक ही सीजन में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने के अभिषेक शर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ छह छक्के दूर हैं। सूर्यवंशी जयपुर में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान छक्का लगाते ही यह बड़ा रिकॉर्ड हासिल हो जाएगा। आईपीएल 2026 में अब तक 9 मैचों में उन्होंने 44.44 की औसत और 238.09 के स्ट्राइक रेट से 400 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 है। उन्होंने अब तक 34 चौके और 37 छक्के लगाए हैं।

फिलहाल आईपीएल के एक ही सीजन में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अभिषेक के नाम है, जिन्होंने 2024 के आईपीएल सीजन में 36 चौकों के साथ 42 छक्के लगाए थे। उस सीजन में उन्होंने 16 पारियों में 32.26 की औसत और 207.21 के स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए थे जिसमें 75* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल था। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 10वें बल्लेबाज थे।

सूर्यवंशी एक और शानदार उपलब्धि हासिल करने की कगार पर भी खड़े हैं। 15 साल की उम्र में उन्होंने सिर्फ 27 पारियों में 99 छक्के लगाए है। यह टी20 क्रिकेट में 20 साल का होने से पहले किसी भी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए छक्कों की सबसे ज्यादा संख्या है। बस एक और छक्का और सूर्यवंशी के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड होगा जिसे शायद आने वाली पीढ़ियां भी न तोड़ पाएं, 20 साल का होने से पहले ही छक्कों का शतक पूरा करना। पिछले साल से अब तक अपने आईपीएल करियर में सूर्यवंशी ने 16 पारियों में 40.75 की औसत और 224.82 के स्ट्राइक रेट से 652 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक शामिल हैं।

छोटे भाई जैमे का डेब्यू मैच देखने पहुंचे कार्लोस अल्काराज

मैड्रिड (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज बृहस्पतिवार को मैड्रिड ओपन में एक दर्शक के तौर पर छोटे भाई जैमे अल्काराज को अंडर-16 टूर्नामेंट में खेलते हुए देखने के लिए पहुंचे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन खिताब जीतने वाले अल्काराज कोर्ट 7 के स्टैंड में थे जब जैमे ने अपने साथी स्पेन के पोल मास को 6-3, 6-3 से हराया। 14 साल के जैमे का टूर्नामेंट में पहला मैच देखने के लिए दूसरे रिश्तेदार भी मौजूद थे। कार्लोस अल्काराज ने दाहिनी कलाई में चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। वह फ्रेंच ओपन में खिताब का बचाव करने के लिए भी नहीं खेल पाएंगे।

पीसीए की सफल मेजबानी: आईपीएल के 4 मैचों में फुल स्टेडियम

रेवेन्यू पहुंचा 8 करोड़ के करीब

न्यू चंडीगढ़। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 4 मुकाबलों की सफल मेजबानी करते हुए इस बार कई मायनों में नई उपलब्धि हासिल की। सभी मैचों में स्टेडियम खचाखच भरा नजर आया और एक भी मुकाबले में दर्शकों की कमी नहीं दिखी। पीसीए द्वारा फैंस की सुविधाओं में किए गए सुधार और बेहतर मैनेजमेंट का असर साफ तौर पर देखने को मिला। इसमें प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता का रोल बेहद अहम रहा। दर्शकों को बेहतर अनुभव देने के प्रयासों ने स्टेडियम में उनकी मौजूदगी और उत्साह दोनों को बढ़ाया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मुकाबले देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने भी सुविधाओं की सराहना की। इन मुकाबलों से पीसीए को रिकॉर्ड रेवेन्यू भी मिला। जहां पहले कमाई 2-3 करोड़ रुपए के आसपास रहती थी, वहीं इस बार यह आंकड़ा करीब 8 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। पीसीए के प्रेसिडेंट अमरजीत मेहता ने इस सफलता का श्रेय फैंस को देते हुए कहा कि दर्शकों ने स्टेडियम में आकर न सिर्फ पीसीए का मान बढ़ाया, बल्कि टीम का हौसला भी बढ़ाया। उन्होंने इसे 'पंजाब और पंजाबियत की जीत' बताया। उन्होंने कहा कि आगे भी पीसीए का फोकस सुविधाओं को बेहतर करने और पंजाब के क्रिकेट को नए स्तर पर ले जाने पर रहेगा।

यूईएफए यूरोपा लीग: क्रिस वुड के गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने एस्टन विला पर बढ़त बनाई

नॉटिंघम। क्रिस वुड के करियर के 200वें गोल से नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूईएफए यूरोपा लीग के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में एस्टन विला के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत ने फॉरेस्ट को फाइनल की दौड़ में मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। मैच की शुरुआत में दोनों टीमें बेहद रक्षात्मक नजर आईं, लेकिन फॉरेस्ट ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनानी शुरू कर दी। मॉर्गन गिब्स-व्हाइट ने दो अच्छे मौके बनाए, हालांकि वह उन्हें गोल में नहीं बदल सके। इलियट एंडरसन ने भी एक कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। दूसरी ओर, एस्टन विला ने भी जवाबी हमला किया। मॉर्गन रोजर्स के शानदार कर्लिंग शॉट को स्टीफन ऑर्टेगा ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया। फॉरेस्ट का दबाव लगातार बना रहा। एमिलियानो मार्टिनेज को इगोर जीसस के प्रयास को गोल लाइन पर रोकने के लिए तेज प्रतिक्रिया दिखानी पड़ी। दूसरे हाफ में भी मुकाबला कड़ा रहा, जहां ओली वॉटकिंस को पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोल करने से ऑर्टेगा ने शानदार बचाव कर रोका।

मैच के अंतिम पलों में निर्णायक मोड़ आया। ओमारी हचिंसन ने गेंद को खेल में बनाए रखा, जिसके बाद लुकास डिग्ने के हैंडबॉल के चलते पेनल्टी मिल गई। इस मौके पर क्रिस वुड ने कोई गलती नहीं की और दमदार शॉट के साथ गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

गरीबी पर प्रतिभा की जीत: प्रदेश में 10वाँ स्थान लाने वाली महेश्वरी और यश खोब्रागढे दिव्यांग छात्र को जिला प्रशासन ने सराहा

कलेक्टर के निर्देश पर 'हमर लक्ष्य' अभियान अंतर्गत जिला पंचायत सीईओ, डीईओ, डीएमसी पहुंचे छात्रों के घर, दी बधाई

आर्थिक अभाव नहीं बनेगा पढ़ाई में बाधा, मेधावी विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग देंगे - हरेश मंडावी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /उत्तर बस्तर कांकेर 2 मई 2026 छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में कांकेर जिले की छात्रा कुमारी महेश्वरी और यश ने प्रदेश स्तर पर कक्षा 12वीं कला संकाय में दसवाँ स्थान प्राप्त कर जिले, परिवार और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। अत्यंत गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली इस छात्रा की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिस्थितियाँ भी प्रतिभा और परिश्रम के आगे टिक नहीं सकतीं। सीईओ जिला पंचायत हरेश मंडावी के निर्देश पर यश को डीईओ और डीएमसी के माध्यम से शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया है। कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी स्वयं छात्रा कु. महेश्वरी के निवास स्थान पहुंचे और उसे मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने छात्रा के माता-पिता को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी बेटी ने कठिन हालातों में शानदार सफलता हासिल कर पूरे जिले के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद महेश्वरी और यश ने कला व वाणिज्य संकाय जैसे विषय में प्रदेश स्तर पर स्थान प्राप्त कर यह साबित किया है कि लगन, मेहनत और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ऐसे सभी प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के साथ खड़ा है और उनकी पढ़ाई में गरीबी कभी बाधा नहीं बनने दी जाएगी। प्रशासन द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन, सहयोग और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले में 'हमर लक्ष्य' अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं हेतु प्रेरित करना है। इस अभियान के माध्यम से जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर चारामा विकासखंड के खंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य, शिक्षकगण, पालक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने छात्रा महेश्वरी और यश की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रा की इस सफलता से पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है।

शासकीय हाई स्कूल बोगर का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, 100%सफ लता

विक्रम ठाकुर /कांकेर :-उत्तर बस्तर कांकेर विगत 7 वर्षों से संचालित शासकीय हाई स्कूल बोगर विकास खण्ड भानुप्रतापपुर ने इस शैक्षणिक सत्र में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष विद्यालय की छात्रा कुमारी सगुन यादव ने विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्लस अंक प्राप्त करने के लक्ष्य को पार कर 93 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं।उनके इस उल्लेखनीय प्रदर्शन से न केवल विद्यालय के शिक्षकों का गौरव बढ़ा है, बल्कि उनके माता-पिता एवं पूरे ग्राम का मान भी ऊँचा हुआ है। विद्यालय परिवार, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, प्राचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुमारी सगुन यादव को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

स्टेट बैंक सीएसआर की मोबाइल एम्बुलेंस से मुफ्त कैंसर जांच, जिले में विशेष स्वास्थ्य अभियान

स्तन और सर्वाइकल कैंसर की होगी जांच,समय पर जांच से संभव है शुरुआती इलाज

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक सराहनीय पहल की गई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) कार्यक्रम के तहत प्रदेश को उपलब्ध कराई गई मोबाइल एम्बुलेंस के माध्यम से महिलाओं की स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी।

यह जांच अभियान अगले 20 दिनों तक जांजगीर-चांपा जिले में चलेगा। आमतौर पर बाहर निजी संस्थानों में इन जांचों की लागत करीब 5000 रुपये तक होती है, लेकिन इस अभियान में महिलाओं को यह सुविधा बिना किसी शुल्क के मिलेगी।

अभियान की शुरुआत पहले पांच दिनों तक जिला अस्पताल जांजगीर में की जाएगी। इसके बाद मोबाइल एम्बुलेंस बारी-बारी से जिले के विभिन्न ब्लॉक स्तरों पर जाकर जांच करेगी। जिला अस्पताल जांजगीर के बाद यह मोबाइल एम्बुलेंस दो दिनों तक बीडीएम अस्पताल में भी उपलब्ध रहेगी।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान समय में महिलाओं में कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है। इस मोबाइल एम्बुलेंस के माध्यम से हो रही जांच महिलाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे प्रारंभिक अवस्था में ही बीमारी की पहचान कर इलाज संभव हो सकेगा।

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने सभी महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जांच कराने और इस अभियान की जानकारी अन्य महिलाओं तक भी पहुंचाने की अपील की है। यह पहल महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इमरजेंसी सेवा डायल 112 खुद बेबसः डोंगरीपाली थाना में 15 दिन से खड़ी खराब गाड़ी, आपात सेवा ठप..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

इमरजेंसी में लोगों की मदद के लिए बनाई गई डायल 112 सेवा खुद इस समय मदद की मोहताज नजर आ रही है। ओडिशा सीमा से लगे डोंगरीपाली थाना क्षेत्र में यह सेवा पिछले करीब 10क्ष्15 दिनों से पूरी तरह बंद पड़ी है। इससे इलाके के लोगों को आपात स्थिति में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

थाने में खड़ी-खड़ी जंग खा रही गाड़ी- डोंगरीपाली थाना क्षेत्र, जो जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर है, वहां डायल 112 की गाड़ी खराब होकर थाने में ही खड़ी है। संवेदनशील क्षेत्र होने के बावजूद वाहन की मरम्मत में देरी प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा पर असर- डोंगरीपाली थाना ओडिशा सीमा से करीब 8 किलोमीटर दूर है, जहां सुरक्षा के लिहाज से डायल 112 सेवा बेहद जरूरी है। वाहन खराब होने के कारण किसी भी आपात स्थिति में बरमकेला से गाड़ी मंगानी पड़ती है, जो करीब 30 किलोमीटर दूर है। ऐसे में जहां मदद 15क्ष्20 मिनट में मिलनी चाहिए, वहां 1क्ष्2 घंटे लग रहे हैं, जिससे हालात और गंभीर हो सकते हैं।

गरीब आदिवासी परिवारों पर बढ़ा बोझ-इस क्षेत्र के करीब 55 गांवों के लोग डायल 112 की सुविधा से वंचित हैं। आदिवासी बहुल इलाके में आपातकाल के दौरान लोगों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिसमें हजारों रुपये खर्च हो रहे हैं। इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। थाना प्रभारी भगवती प्रसाद कुर्रे ने बताया कि वाहन पिछले 10क्ष्15 दिनों से खराब है और इसकी जानकारी विभाग को दे दी गई है। अधिकारी वाहन का निरीक्षण कर चुके हैं और जल्द ही इसे ठीक कर सेवा फिर से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि यह महत्वपूर्ण सेवा कब तक फिर से पटरी पर लौटती है।

सारंगढ़ में हुआ जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल का शुभारंभ

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू के आतिथ्य में जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ शुक्रवार शाम को सेजेस स्कूल प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को खेल किट और जूता ड्रेस आदि का वितरण किया गया। प्रशिक्षकों ने कराते का प्रदर्शन किया। कलेक्टर ने कहा कि गर्मी में डेढ़ से 2 और ढाई महीने की छुट्टी का टाइम होता है। बच्चों के अंदर के हुनर और कौशल को मजबूत करने का यह सुनहरा अवसर है। इस समय का उपयोग अपने पसंदीदा खेल का चयन करें और मोबाईल के अनावश्यक उपयोग से दूर रहें। जिले में खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 1 मई से 21 मई तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन खेलभाठा मैदान और इनडोर स्टेडियम में नियमित होता रहेगा। इसमें छह खेल कराटे, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, योग शामिल है। विभाग द्वारा खेल सामग्री उपलब्ध कराया जाएगा। यह खेल प्रशिक्षण सुबह 5.30 से 8.30 बजे और शाम को 5 से 7 बजे तक दिया जाएगा। इसमें जूनियर, सब जूनियर बालक बालिका प्रवेश ले सकते हैं। आयु प्रमाण पत्र के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और अंकसूची को मान्य किया जाएगा। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खेल प्रशिक्षक पीटीआई और वरिष्ठ खिलाड़ी इन खेलों से जो संबंधित और अच्छे जानकार है, वे बच्चों को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों के सेहत और खान-पान का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर प्रभारी खेल अधिकारी व डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा सहित अब्बास अली सैफी, कैजार हुसैन, गोल्डी नायक, विजेंद्र गुड्डू, ममता साहू, भुनेश्वरी गोपाल एवं नन्हे खिलाड़ी विशेष रूप से शामिल रहे। इस संबंध में जानकारी के लिए 9977115799 सहायक खेल अधिकारी कौशल ठेठवार से संपर्क कर सकते हैं।

मजदूर दिवस पर बड़ा बयान: 'मजदूरों की आंखों में धूल झोंकने के लिए रचा जा रहा है सम्मान का ढोंग।'

विक्रम ठाकुर /कांकेर :-कांकेर मई दिवस मजदूरों के शोषण, अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करने का शपथ दिवस है। समाज में जो ताकत आज मजदूरों। के अर्जित अधिकार छीन रही है उन लोग मई दिवस पर कर्मचारियों। का सम्मान करना उनके दोगलेपन को ही दर्शाता है। उक्त आरोप राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवचन्द भास्कर ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया। उन्होंने बताया समाज में लुटेरे लोग की यह साजिश है कि मजदूर दिवस को मजदूरों को सम्मानित कर मजदूर दिवस के संघर्ष और शहादत के इतिहास को भुला देना चाहते है। मजदूर नेता ने कहा कि आज भाजपा की सरकार ने नए श्रम कोड लागू कर मजदूरों के अर्जित 8 घंटे काम के अधिकार को खत्म कर 12 घंटे कार्यदिवस करने वाले पार्टी के कार्यकर्ता मजदूरों को गमछा और श्रीफल भेंट कर सम्मानित करना महज एक नाटक है और मजदूरों।

नादघांट विद्यालय की शान बनी आराध्या दुबे...

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नवागढ /नादघांट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए यह गर्व का पल है, जब कुमारी आराध्या दुबे (अनुपमा दुबे) ने 93.5त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि ने न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता, प्राचार्य और समस्त शिक्षकों को भी गौरवान्वित किया है।

आराध्या की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों का मार्गदर्शन साफ झलकता है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि लगन और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

प्राचार्य एवं शिक्षकों ने दी शुभकामनाएं-

विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने आराध्या को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और अन्य विद्यार्थियों को भी उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

परिवार में खुशी का माहौल

आराध्या की इस सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। माता-पिता ने भी बेटी की मेहनत और समर्पण पर गर्व जताया।

प्रेरणा बनी आराध्या

आज आराध्या दुबे पूरे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उनकी यह उपलब्धि आने वाले समय में और भी बड़ी सफलताओं की ओर संकेत करती है।

÷मेहनत की राह पर चलो, मंजिल खुद कदम चूमेगीज्÷

छालीवुड और क्रिकेट का संगमः CIPL सीजन-3 का धमाकेदार आगाज 25 मई से! 6 टीमों के बीच होगा मुकाबला, फिल्मी टाइटंस टीम में विकास सिंह का चयन

रायगढ़/मूक पत्रिका

बिलासपुर का रघुराज स्टेडियम एक बार फिर रोशनी और रोमांच से जगमगाने जा रहा है। सीआईपीएल (छालीवुड इंडस्ट्रीज प्रीमियर लीग) सीजन-3 का शुभारंभ 25 मई से फ्लड लाइट मैचों के साथ होने जा रहा है। फिल्मी सितारों और क्रिकेट के जुनून का यह अनोखा संगम दर्शकों को एक बार फिर रोमांच की चरम सीमा तक ले जाने के लिए तैयार है।सीआईपीएल में इस बार रायगढ़ के लिए गर्व का बड़ा मौका सामने आया है। शहर के होनहार खिलाड़ी विकास सिंह का चयन इस सीजन में फिल्मी टाइटंस टीम में हुआ है, जिसे मशहूर निर्देशक शांतनु पाटनवर लीड कर रहे हैं। शांतनु जी की भी जन्मभूमि रायगढ़ ही है यह उपलब्धि न सिर्फ विकास सिंह के लिए, बल्कि पूरे रायगढ़ के लिए गर्व की बात है। विकास सिंह सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि बड़े पर्दे पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने प्रेमयुद्ध, जवानी जिंदाबाद, और सरफिरा जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब 19 जून को रिलीज होने वाली फिल्म बलि में वे एक बिल्कुल अलग और दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। जिसके निर्देशक गंगासागर पंडा जी हैं। सीआईपीएल में इस बार 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिनमें बॉक्स ऑफिस ब्लेजर, फिल्मी टाइटन्स, स्क्रीन वॉरियर्स , स्टार समसेरा, सिने स्टार, सेलेब स्ट्राइकर के नाम शामिल है। आपको बता दें कि पिछले सीजन में विकास सिंह ने बालोद बुल्स टीम से खेलते हुए अपनी ऑलराउंड परफॉर्मेंस से सबका दिल जीत लिया था। गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन के चलते इस बार ऑक्शन में उन्हें खास तवज्जो मिली और फिल्मी टाइटंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अब नजरें 25 मई पर टिकी हैं, जब रघुराज स्टेडियम की रोशनी में छालीवुड और क्रिकेट का यह संगम एक बार फिर इतिहास रचेगाज और रायगढ़ का बेटा विकास सिंह मैदान में अपना जलवा बिखेरते नजर आएगा।

फ्लाइएश ओवरलोडिंग चार वाहनों पर हुई 1 लाख 26 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कंन्नौजे के निर्देश पर परिवहन, खनिज और आवास एवं पर्यावरण विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को फ्लाइएश ओवरलोडिंग चार वाहनों से 1 लाख 26 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की। इसी प्रकार मोटर व्हीकल कानून के तहत 20 वाहनों पर 29 हजार 400 रूपये की भी चालानी कार्रवाई की गई।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन ने किया श्रमिकों का सम्मान

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन जिला जांजगीर-चांपा द्वारा 1 मई 2026 को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों, उनके योगदान और सम्मान को समाज के समक्ष प्रस्तुत करना

इस अवसर पर फाउंडेशन की जिला अध्यक्ष (महिला) डॉ. धनेश्वरी जागृति एवं जिला प्रवक्ता महावीर प्रसाद सोनी ने अपने उद्बोधन में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाए जाने के महत्व, इतिहास और श्रमिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में फाउंडेशन के प्रदेश सचिव अमरजीत सिंह सलूजा, जिला अध्यक्ष (पुरुष) गोपाल मित्तल, कार्यकारी जिला अध्यक्ष सुभाष शर्मा, उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, लक्ष्मण (ललित) पाण्डेय, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती अन्नपूर्णा सोनी, सहसचिव श्रीमती वीणा साहू, रामचरण पटेल सहित कार्यकारिणी सदस्य गौकरण पटेल, रोहित पटेल, लक्ष्मी पटेल, धीरज राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही फैक्ट्री संचालक विनोद मोदी तथा बड़ी संख्या में श्रमिक बंधु-भगिनी एवं फाउंडेशन के सदस्यगण कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन के दौरान श्रमिकों को सम्मानित कर उनके परिश्रम और योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम का समापन श्रमिक हितों की रक्षा और उनके सम्मान को निरंतर बनाए रखने के संकल्प के साथ किया गया।

सेवा केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन का मूल संस्कार है – अमर सुल्तानिया

भीषण गर्मी में मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने अपने वजन के बराबर फल-सब्जी गौशाला में दान कर पेश की मिसाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी के इस दौर में, जब आम जनजीवन प्रभावित है, ऐसे समय में मारवाड़ी युवा मंच शाखा नैला-जांजगीर द्वारा की गई गौसेवा की पहल समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। मंच के सदस्यों ने नैला स्थित गौशाला पहुंचकर अपने-अपने वजन के बराबर फल, सब्जियां, चना और गुड़ का दान किया, जिससे गौवंश को पोषण मिल सके।इस सेवा कार्य में मंच के सभी सदस्यों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने इस पहल को संवेदनशील समाज निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमर सुल्तानिया ने कहा कि सेवा केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन का मूल संस्कार है। जब युवा अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से ऊपर उठकर समाज और जीवों के प्रति अपने दायित्व निभाते हैं, तभी सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माण संभव होता है। गौसेवा हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, और ऐसे प्रयास समाज में करुणा, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।इस अवसर पर मंच के शाखा अध्यक्ष आकाश सिंघानिया, सचिव अनुभव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, नवदीप अग्रवाल, चेतन शर्मा सहित सदस्य तुषार गोयल, आदित्य भोपालपुरिया, यश अग्रवाल, केशव सोनी, रमेश शर्मा, रक्षित अग्रवाल एवं पार्थ अग्रवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई। यह सेवा पहल न केवल गौसेवा का अनुपम उदाहरण बनी, बल्कि समाज के अन्य वर्गों को भी सेवा और संवेदनशीलता की दिशा में आगे आने के लिए प्रेरित करती नजर आई।

आज ही जुड़े हमारे राष्ट्रीय दैनिक अखबार मूक पत्रिका एवं न्यूज नेटवर्क के साथ
आवश्यकता
मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 8878131207
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
छत्तीसगढ़ के संभाग/ जिला/ ब्लॉक/ ग्रामीण स्तर पर मिडिया मित्र के रूप में कार्य करने हेतु सम्पर्क करें। 8878131207, 7999238079
मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
MP National News
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
इच्छुक व्यक्ति जल्द सम्पर्क करें।
Contact No.+91 7999238079, 7828658259, 8878131207
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।